राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 05 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 173, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कुल्हाड़ी से काट कर महिला की हत्या, तीन पर आरोप..03

गांव की आपसी टशन में गई भाजपा नेता के भतीजे की जान..04

मोदी ने किया नीतीश सरकार पर हमला, कहा- कुछ लोग कर्पूरी ठाकुर का जननायक सम्मान चुराने की कोशिश में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व शासन के दौरान शिक्षा की "खराब स्थिति" को राज्य से बड़े पैमाने पर पलायन का एक प्रमुख कारण बताया और हालात में सुधार लाने एवं राज्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की शनिवार को सराहना की। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। मोदी ने बिहार के लिए कई परियोजनाओं समेत युवा केंद्रित शिक्षा एवं कौशल विकास पहलों के उद्घाटन कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी परोक्ष निशाना साधा जिन्हें कांग्रेस के सदस्य अक्सर 'जननायक 'कहते हैं। जननायक शब्द का इस्तेमाल ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के लिए किया जाता रहा है। मोदी ने गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोगों द्वारा ठाकुर से जुड़े सम्मान को "चुराने" के प्रयासों के प्रति बिहार के लोगों को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठाकुर को 'सोशल मीडिया ट्रोल ' ने जननायक की उपाधि नहीं दी बल्कि यह उनके प्रति लोगों के प्रेम का प्रतीक है। मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने दिवंगत ओबीसी नेता को पिछले साल भारत रत्न से सम्मानित किया था। मोदी ने मुख्यमंत्री कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार सरकार ने राज्य के विकास के लिए नए संकल्प लिए हैं और पिछले 20 साल की तुलना में अगले पांच वर्ष में रोजगार पाने वाले लोगों की संख्या को दोगुना करने का निर्णय लिया है।

राज्य में जारी विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पलायन के मुद्दे के जोर पकड़ने के बीच प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिहार के युवाओं को राज्य में ही रोजगार मिले। उन्होंने राजद सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि युवाओं की वर्तमान पीढ़ी इस बात से शायद अवगत नहीं होगी कि 20-25 साल पहले शिक्षा व्यवस्था को कितना बर्बाद किया गया था। मोदी ने कहा कि स्कूल नहीं खुलते थे और बहुत कम भर्तियां होती थीं तथा छात्रों को राज्य छोड़कर दूसरे शहरों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता था। उन्होंने कहा कि पलायन की असली शुरुआत यहीं से हुई थी। उन्होंने कहा कि जिस पेड़ की जड़ें सड़ रही हों, उसे फिर से खड़ा करना बहुत मुश्किल होता है और राजद शासन के दौरान बिहार की यही स्थिति थी। उन्होंने राज्य में बदलाव लाने के लिए राजग सरकार की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) न केवल औद्योगिक शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र हैं बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत ' के लिए कार्यशालाओं का भी काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दशक में 5,000 आईटीआई खोले हैं जबकि 2014 तक 10,000 आईटीआई खोले गए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार पर विशेष जोर देते हुए 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का शनिवार को अनावरण किया। मोदी ने 60,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक केंद्र प्रायोजित योजना पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार योग्यता परिवर्तन उन्नत आईटीआई के जरिये) की शुरुआत की। इस योजना में 1,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को 'हब-एंड-स्पोक ' मॉडल में उन्नत करने की परिकल्पना की गई है जिसमें 200 'हब ' आईटीआई और 800 'स्पोक ' आईटीआई शामिल हैं। 'हब एंड स्पोक ' मॉडल एक वितरण प्रणाली है जो साइकिल के पहिये की तरह काम करती है जिसमें एक 'हब '(केंद्र) होता है जो सभी 'स्पोक '(छोटे, सहायक स्थानों) को आपस में जोड़ता है। प्रत्येक 'हब ' औसतन चार 'स्पोक ' से जुड़ा होगा जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक उद्यमों, डिजिटल शिक्षण प्रणालियों और इनक्यूबेशन सुविधाओं से सुसज्जित संकुलों का निर्माण होगा। मोदी ने बिहार की संशोधित 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना 'की भी शुरुआत की जिसके तहत हर साल लगभग पांच लाख स्नातकों को दो साल तक 1,000-1,000 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा और मुफ्त कौशल प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। उन्होंने नए सिरे से तैयार की गई 'बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड ' योजना की भी शुरुआत की जिसके तहत चार लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री ने जन नायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का भी उद्घाटन किया जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कार्यबल तैयार करने के लिए उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना है।

गुजरात बीजेपी का नया अध्याय- मोदी और शाह के करीबी जगदीश विश्वकर्मा बने प्रदेश अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुजरात बीजेपी ने अपनी अगली राजनीतिक रणनिति में बड़ा बदलाव करते हुए जगदीश विश्वकर्मा को नया प्रदेश अध्यक्ष घोषित कर दिया है। वे इस पद के लिए निर्विरोध चुने गए, क्योंकि शुक्रवार को उनकी ही नामांकन हुई। इस बदलाव के साथ ही केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटील का स्थान ग्रहण किया गया, जिनका कार्यकाल जुलाई 2023 में समाप्त हो चुका था, पर वे पद पर बने हुए थे।

नया चेहरा, नई दिशा

जगदीश विश्वकर्मा का राजनीतिक सफर काफी जमीन से जुड़ा हुआ है। अहमदाबाद में 1973 में जन्मे जगदीश ने अपने करियर की शुरुआत बूथ स्तर से की, बाद में जिला और विधानसभा स्तर पर भी सक्रिय रहे। वे ओबीसी वर्ग से आते हैं और गुजरात में इस समुदाय के प्रमुख चेहरों में से एक हैं। निकोल विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह

चुके जगदीश को ओबीसी नेतृत्व की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है।

जातीय समीकरणों में भाजपा का बड़ा दांव

गुजरात में आगामी नगर निगम और पंचायत चुनावों को देखते हुए बीजेपी ने जातीय समीकरणों को साधने की रणनीति अपनाई है। जगदीश विश्वकर्मा पंचाल समुदाय से आते हैं, जो ओबीसी वर्ग में महत्वपूर्ण माना जाता है। कांग्रेस द्वारा भी ओबीसी नेता अमित चावड़ा को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के बाद बीजेपी ने इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए जगदीश को अध्यक्ष पद सौंपा है।

मोदी और शाह के करीबी, RSS से मजबूत जुड़ाव

जगदीश विश्वकर्मा का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ घनिष्ठ संबंध रहा है। अहमदाबाद में बीजेपी अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने दोनों नेताओं के साथ मिलकर काम किया है। इसके साथ ही, उनकी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के साथ भी गहरी संलग्नता है, जो उन्हें पार्टी की कार्यशैली से पूरी तरह जोड़ती है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, जगदीश का नाम पिछले एक साल से प्रदेश अध्यक्ष के लिए चर्चित था।

हर्ष सिंघवी का भरोसा

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सिंघवी ने जगदीश विश्वकर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे एक सच्चे ज़मीनी कार्यकर्ता हैं जो हमेशा राज्य के हित में काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा, "उनका राजनीतिक अनुभव सीमित हो सकता है, लेकिन बीजेपी जैसी पार्टी में ऐसे बदलाव संभव होते हैं। जगदीश का चुनाव इसी का उदाहरण है।"

बाबा चैतन्यानंद सरस्वती का काला सच उजागर, सेक्स टॉय, पॉर्न सीडी और फर्जी तस्वीरें बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- खुद को संत बताने वाले और यौन शोषण के आरोपों से घिरे बाबा चैतन्यानंद सरस्वती का सच अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है। पुलिस की हालिया तलाशी में उनके आश्रम और संस्थान से कई आपत्तिजनक चीजें बरामद हुई हैं, जिनमें सेक्स टॉय, पांच पॉर्न वीडियो की सीडी और अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ उनकी फर्जी तस्वीरें शामिल हैं।

पुलिस की तलाशी में मिला आपत्तिजनक सामान

बुधवार को दिल्ली पुलिस की टीम बाबा को लेकर उनके इंस्टीट्यूट पहुंची और पूरे परिसर की फिर से तलाशी ली। इस दौरान, एक सेक्स टॉय,5 सीडी, जिनमें अश्लील वीडियो होने का शक,अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरून के साथ फर्जी तस्वीरें बरामद हुई। इन फर्जी तस्वीरों का इस्तेमाल बाबा लोगों पर प्रभाव डालने और खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

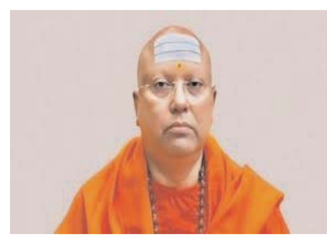

"महत्वपूर्ण व्यक्ति" साबित करने के लिए करता था।

फरारी के दौरान छिपने की कहानी

मामले में अगस्त में केस दर्ज होने के बाद बाबा करीब दो महीने तक फरार रहा। पुलिस जांच में सामने आया है कि फरारी के दौरान वह उत्तराखंड के बागेश्वर और अल्मोड़ा में ठहरा था। अब पुलिस वहां भी जाकर जांच कर रही है और स्थानीय सूत्रों से जानकारी जुटा रही है।

लड़कियों से चैट और एयरहोस्टेस वाली तस्वीरें

इससे पहले भी बाबा को लेकर कई चौंकाने वाले सबूत सामने आ चुके हैं। पुलिस की जांच में उनके मोबाइल फोन से कई युवतियों और छात्राओं के साथ अश्लील चैट, एयरहोस्टेस के साथ तस्वीरें, कई युवतियों की व्हाट्सएप डीपी (DP) के स्क्रीनशॉट्स बरामद हुए हैं। इन चैट्स में बाबा सीधे-सीधे सेक्स और शारीरिक संबंध को लेकर बातचीत करता था। कई मैसेज ऐसे मिले हैं जिन्हें बाद में डिलीट कर दिया गया था। अब पुलिस इन्हें रिकवर करने की कोशिश कर रही है।

सेक्स ट्रैफिकिंग से भी जुड़ा शक

जांच में बाबा की चैट्स से यह भी खुलासा हुआ था कि वह संभवतः सेक्स ट्रैफिकिंग रैकेट से भी जुड़ा हुआ था। एक चैट में उसने अपनी एक छात्रा से कहा था कि "दुबई के शेख को पार्टनर चाहिए" और उसे किसी दोस्त या क्लासमेट को भेजने का दबाव बनाया था।

पूछताछ में गोलमोल जवाब

गिरफ्तारी के बाद पुलिस की पूछताछ में बाबा लगातार गोलमोल जवाब देता रहा। वह केवल सख्ती करने पर ही कुछ सच बताता था, वरना जांच में सहयोग करने से बचता था। हालांकि, पुलिस हर दिन उसके पास से नए-नए राज और आपत्तिजनक सबूत निकाल रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

बच्चों की मौत के बाद सरकार ने 'coldreef' नामक कफ सिरप 'की बिक्री पर लगाया बैन

तमिलनाडु सरकार ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में 11 बच्चों की मौत के बाद 'कोल्डरिफ 'कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि एक अक्टूबर से तमिलनाडु में 'कफ सिरप ' की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश दिया जाता है। चेन्नई की एक कंपनी यह सिरप बनाती है। अधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिन में पड़ोसी जिले कांचीपुरम के सुंगुवरचत्रम में दवा कंपनी की निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया और नमूने एकत्र किए गए। उन्होंने बताया कि कंपनी राजस्थान, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी को दवाइयां आपूर्ति करती है। उन्होंने बताया कि नमूनों को सरकारी प्रयोगशालाओं में भेजा जाएगा ताकि उनमें 'डाइएथिलीन ग्लाइकॉल 'रसायन की मौजूदगी का पता लगाया जा सके। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों की मौत के मामलों का संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक परामर्श जारी किया, जिसमें निर्देश दिया गया कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं न दी जाएं।

हिंदू महासभा ने दिग्विजय सिंह को बताया मुल्ला, गोडसे को कहा वीर, बोले- जिस घर से अफजल निकलेगा, उस घर में घुसकर मारेंगे

इंदौर- इंदौर के शीतलामाता बाजार में बड़ा विवाद देखने को मिला जब हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने नाथूराम गोडसे का समर्थन करते हुए नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने कहा, 'जिस घर से अफजल निकलेगा, उस घर में घुसकर मारेंगे' और 'वीर गोडसे ज़िंदाबाद।' इस दौरान कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को भी मुल्ला कहकर निशाना बनाया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह विवाद उस समय सामने आया जब बाजार से 40 मुस्लिम सेल्समैन को हटाए जाने को लेकर तनाव बढ़ा था। दिग्विजय सिंह शनिवार को प्रभावित दुकानदारों से मिलने बाजार पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इसके बाद उन्होंने सराफा थाने से लौटने का रास्ता अपनाया। स्थानीय जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने दिग्विजय सिंह की पार्टी संगठन को बिना जानकारी दिए यात्रा करने की आलोचना की, जिससे राजनीतिक तनाव और बढ़ गया। इस घटना ने इंदौर के व्यापारिक क्षेत्र में रोजगार और सांप्रदायिक संवेदनशीलता को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है।

सपा के नेताओं का बरेली जाना नौटंकी, मुस्लिम तुष्टिकरण सपा की पहचान-डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- समाजवादी पार्टी का बरेली में प्रतिनिधिमंडल जाने को लेकर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यावद पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सपा बहादुर अखिलेश यादव का बरेली में प्रतिनिधिमंडल भेजना नौटंकी और बचकाना कदम है। सपा की पहचान मुस्लिम तुष्टिकरण की गंदी राजनीति से है। विधानसभा चुनाव 2027 में सपा की दुर्दशा और सफाया होना तय है। यूपी दंगा मुक्त, सुशासन व कानून व्यवस्था हमारी पहचान और उपलब्धि है। सपाइयों को यह रास नहीं आ रहा।

सपा के नेता किए गए नजरबंद

आप को बता दें कि उत्तर प्रदेश में बरेली के लिये निकलने से पहले शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं को नजरबंद कर लिया गया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने आरोप लगाया कि वो बरेली जा रहे थे लेकिन जिलाधिकारी के

आदेश पर उन्हें रोक दिया गया है। उनके घर के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। उन्होने कहा कि प्रशासन की दलील है कि सपा नेताओं के जाने से माहौल खराब होगा।

'आई लव मुहम्मद 'को लेकर हुआ था विवाद

गौरतलब है कि पिछली 26 सितंबर को जुम्मे की नमाज़ के बाद' आई लव मुहम्मद के बैनर के साथ जुलूस निकालने की कोशिश की गयी थी। पुलिस ने इस बगैर अनुमति करार देते हुये बल प्रयोग किया था जिसके बाद जमकर बवाल हुआ था। बरेली के हालात का जायजा लेने के लिये सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर आज नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दौरा करने जा रहे था। इससे पहले ही सपा नेताओं को जगह जगह हाउस अरेस्ट कर लिया गया है।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर भारी पुलिस

जानकारी के मुताबिक माता प्रसाद पांडेय को लखनऊ में ही रोक दिया गया है वहीं सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के बाहर भी भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। बरेली का दौरा करने वाले समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे के अलावा सांसद हरेंद्र मलिक, इकरा हसन, जियाउर्रहमान बर्क, मोहिबुल्लाह, नीरज मौर्य, पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव और प्रवीण सिंह ऐरन शामिल थे। हालांकि प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से उनके जिले में प्रवेश पर रोक लगा दी। वहीं, उत्तर प्रदेश के बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। चार प्रमुख क्षेत्रों में 10,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती रही, और सुरक्षा के चलते इंटरनेट और एसएमएस सेवाएं फिलहाल बंद रखी गई।

बरेली में 'रजा पैलेस' पर चला बुलडोजर, मौलाना के गुर्गे नफीस का था बारात घर, अब गिराया जा रहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली हिंसा मामले में पुलिस-प्रशासन का एक्शन जारी है. मौलाना तौकीर रजा के गुर्गों और रिश्तेदारों पर कार्रवाई हो रही है. इसी कड़ी में शनिवार को मौलाना के गुर्गे नफीस के 'रजा पैलेस' नाम के बारात घर पर बुलडोजर चलाया गया. इस दौरान भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही. बता दें कि इससे पहले बीते मंगलवार को बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) ने सपा पार्षद व तौकीर रजा के रिश्तेदार उमान रजा के गैराज को ध्वस्त कर दिया था. साथ ही उसकी दो नवनिर्मित दुकानें भी सील कर दी थीं।

नफीस ने पुलिस को दी थी धमकी

शहर के जखीरा मोहल्ले में स्थित रजा पैलेस डॉ. नफीस का है. नफीस को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. आरोप है कि यह मौलाना का सबसे करीबी है और हिंसा का मुख्य आरोपी यही है. इसी ने लोगों को भड़ाकाया था, जिसके बाद काफी संख्या में लोग जमा हो गए थे. जब पुलिस 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर हटाने गई थी, तब नफीस ने एक इंस्पेक्टर से कहा था कि पुलिस के हाथ काट लूंगा. पोस्टर को हाथ भी मत लगाना. नफीस के साथ-साथ पुलिस ने उसके बेटे को

भी जेल भेजा है।

फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में बंद मौलाना तौकीर रजा

एक्शन को लेकर बरेली की डिप्टी एसपी सोनाली मिश्रा ने बताया कि यह अभियान बरेली जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा है और हम सुरक्षा प्रदान करने के लिए यहां मौजूद हैं. पर्याप्त पुलिस बल को तैनात किया गया है. अभी तक पुलिस हिंसा में 83 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. मौलाना तौकीर रजा फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में बंद है।

नमाज का वक्त बदलकर भीड़ इकट्ठा की

SSP अनुराग आर्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि हिंसा वाले दिन मस्जिदों में नमाज का वक्त जानबूझकर बदला गया था. आमतौर पर शुक्रवार की नमाज शहर की अलग-अलग मस्जिदों में दोपहर 12:30 से 3:30 बजे तक होती है, लेकिन उस दिन योजनाबद्ध तरीके से एक बजे नमाज अदा करवाई गई. इसके बाद बड़ी संख्या में लोग नौमहला मस्जिद से निकलकर इस्लामिया ग्राउंड की ओर बढ़ने लगे. यही भीड़ आगे चलकर उपद्रव और हिंसा में शामिल हुई।

वॉट्सऐप ग्रुप और CCTV फुटेज से मिले सुराग

जांच के दौरान पुलिस को CCTV कैमरों और कंट्रोल रूम से मिले वीडियो फुटेज में अहम सुराग मिले. शुरुआती जांच में सामने आया कि शुक्रवार सुबह एक वीडियो अपील सोशल मीडिया पर वायरल की गई थी. इसी वीडियो के बाद अलग-अलग वॉट्सऐप ग्रुप्स में नमाज का समय बदलने की सूचना फैलाई गई।

नफीस का बेटे भी हिंसा में शामिल

SSP अनुराग आर्य ने बताया था कि IMC का आधिकारिक फेसबुक पेज इस पूरे मामले में अहम कड़ी है. पूछताछ में सामने आया कि डॉ. नफीस का बेटा फरहान ही इस फेसबुक पेज को ऑपरेट करता था. उसी ने नमाज बदलने वाली अपील अपलोड की थी. बाद में प्रशासन को गुमराह करने के लिए उसका स्क्रीनशॉट फैलाया गया और थोड़ी देर बाद वह पोस्ट डिलीट भी कर दी गई।

बालासाहेब के पार्थिव शरीर को 2 दिन मातोश्री में रखा गया, आरोपों पर आमने-सामने उद्धव और शिंदे गुट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बालासाहेब ठाकरे के पार्थिव शरीर को लेकर शिवसेना एकनाथ शिंदे की पार्टी के नेता रामदास कदम ने बड़ा दावा किया. उन्होंने कहा था कि बालासाहेब ठाकरे के निधन के बाद उनका शव दो दिन तक उनके निवास स्थान 'मातोश्री' में रखा गया और उनके फिंगरप्रिंट लिए गए. अब कदम के इसी बयान पर उद्धव गुट के नेता अनिल परब ने पलटवार किया है. उद्धव ठाकरे की पार्टी के नेता ने रामदास कदम के बयान को बेबुनियाद बताया. साथ ही उन्होंने कहा कि वो रामदास कदम के बयान के खिलाफ कोर्ट जाएंगे और मानहानि का दावा करेंगे. अनिल परब ने कहा, यह 100% गलत है. बालासाहेब से मिलने भीड़ उमड़ी थी. क्या किसी का शरीर दो दिन तक ऐसे रखा जा सकता है? क्या शव बिना कॉफिन या मोर्चरी के रखा जा सकता है?

रामदास कदम के बयान को बताया झूठ

अनिल परब ने रामदास कदम पर निशाना साधते हुए आगे कहा, रामदास कदम की कॉमन सेंस उनके घुटनों में है. शव बिना

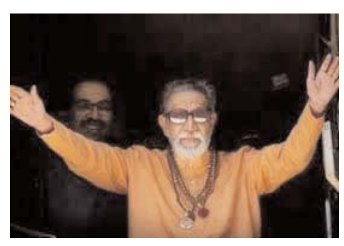

कॉफिन या मोर्चरी के रखा जा सकता है क्या? साथ ही उन्होंने कहा, कदम के आरोपों को गलत,निराधार,बेबुनियाद झूठा आरोप करार दिया।

"मनगढ़ंत और बेबुनियाद दाव"

अनिल परब ने कहा, चाहे कोई भी इंजेक्शन दिया जाए, चाहे कुछ भी किया जाए, मुंबई का कौन-सा डॉक्टर इतनी हिम्मत करेगा? वहां डॉक्टरों की टीम थी, क्या वो ऐसी गलत हरकत करेंगे? अनिल परब ने साफ कहा कि शव दो दिन तक रखने वाली बात मनगढ़ंत और बेबुनियाद है. अनिल परब ने आगे कहा, जब बालासाहेब जिंदा थे तो उन्होंने अपने हाथ का मोल्ड बनाया था. पहले ये सहारा क्रिकेट स्टेडियम में रखा गया था बाद में ये उद्धव ठाकरे जहां बैठते हैं उनके पीछे रखा जाता है. ये पूरा पंजा है जो बालासाहेब जब जिंदा थे तब बनाया गया था. इसका मतलब रामदास कदम झूठ बोल रहे हैं कि बालासाहेब का अंगूठा कागज पर लिया गया. साथ ही रामदास कदम पर हमला करते हुए अनिल परब ने उनकी पत्नी का जिक्र किया. उन्होंने कहा, मेरा आरोप है कि ज्योति रामदास कदम जो रामदास कदम की पत्नी थीं उन्हें जलाकर मारा गया, इसकी जांच हो।

रामदास कदम ने क्या आरोप लगाए

शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे का 17 नवंबर 2012 को निधन हो गया था. पूर्व मंत्री रामदास कदम ने आरोप लगाया कि बालासाहेब ठाकरे का पार्थिव शरीर दो दिनों तक मातोश्री में रखा गया था. दिवंगत ठाकरे के अंगूठे के निशान लिए गए थे. उन्होंने कहा कि शिवसेना प्रमुख का इलाज करने वाले डॉक्टर अभी भी हैं, उनसे पूछिए कि उद्धव ने बालासाहेब के पार्थिव शरीर दो दिन तक क्यों रखा? इसी के बाद उद्धव गुट के नेता रामदास कदम के बयान पर लगातार पलटवार कर रहे हैं. शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) पार्टी के सांसद संजय राउत, अंबादास दानवे, चंद्रकांत खैरे, सुषमा अंधारे ने रामदास कदम के बयान की आलोचना की।

संभल में अवैध मस्जिद पर चलेगा बुलडोजर, हाई कोर्ट ने रद्द की कमेटी की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल जिले में कथित तौर पर तालाब की जमीन पर बनी एक मस्जिद को ढहाए जाने के खिलाफ दायर एक रिट याचिका शनिवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने मस्जिद समिति की एक याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता ने कहा कि स्थानीय मुस्लिम समुदाय 2009 से जिले के गोसुलबारा रावण बुजुर्ग इलाके में स्थित मस्जिद में शांतिपूर्वक नमाज अदा कर रहा है और मस्जिद ढहाए जाने का प्रशासनिक आदेश पारित करने से पहले उन्हें कोई उचित नोटिस या सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। मामले की तत्काल सुनवाई की गई क्योंकि याचिका में इस बात पर ज़ोर दिया गया था कि मस्जिद ढहाने के प्रशासनिक आदेश के मद्देनजर दशहरा अवकाश के दौरान सुनवाई की जरूरत है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि दो सितंबर को अधिकारियों ने कथित तौर पर मस्जिद ढहाने का आदेश पारित किया था। याचिका में दावा किया गया था कि दो अक्टूबर तक याचिकाकर्ता को आदेश की प्रति नहीं दी गई। हालांकि तीस सितंबर को याचिकाकर्ता को प्रस्तावित कार्रवाई की सूचना देते हुए एक नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस में दो सितंबर के आदेश का स्पष्ट उल्लेख है, जिसमें कहा गया है कि कार्रवाई "दिनांक 02.09.2025 के आदेश के अनुसार" की जा रही है।

हैवानियत - दो जून की रोटी के एवज में जिस्म का सौदा!

इंसान सबसे बड़ा हैवान है शायद जंगल के कानून भी इंसान के व्यवहार को देख कर जानवरों ने सीखा हो क्यों कि जानवर भूख शांत करने के लिए हिंसा कर सकता है लेकिन इंसान किसी की भूख शांत करने की एवज में किसी का यौन शोषण कर सकते हैं यह घिनौना हैवानियत इंसान और इंसानियत के नाम पर बेहद हैवानियत भरा बर्बरता भरा अत्याचार है, गाजा इस हैवानियत से जूझ रहा है यह दुनिया का वह हिस्?सा जो अपनी बर्बादी की कहानी खुद ब खुद अब बयां करने लगा है. पिछले दो सालों से यहां जारी युद्ध ने इसे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है. यूं तो यहां से कई कहानियां दो सालों से लगातार सामने आ रही हैं लेकिन जो जानकारी अब आई है, उसके बाद तो एक पल को इंसानियत पर से भी भरोसा उठ सकता है. गाजा में भूख, पैसे और पानी से लेकर हर जरूरी चीज का संकट है और इसका फायदा स्थानीय पुरुष और एड वर्कर्स कैसे उठा रहे हैं. इसकी कहानी खुद यहां की महिलाओं ने बयान की है.

गाजा में इस समय गंभीर मानवाधिकार संकट है. यहां की महिलाओं ने बताया है कि कैसे खाना, पानी, पैसे और यहां तक कि हर बुनियादी चीज का संकट बढ़ता ही जा रहा है. इस संकट के बीच ही यहां पर महिलाओं का यौन शोषण यहां के स्थानीय पुरुष और कुछ एड वर्कर्स कर रहे हैं. इन महिलाओं को दो वक?त की रोटी और पीने के पानी का लालच देकर उन पर यौन संबंधों का दबाव डाला जा रहा है. उन्हें अभद्र मैसेज किए जा रहे हैं और उन्हें देर रात तक उन्हें परेशान किया जा रहा है.एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार हर महिला ने अपने परिवारों या पुरुषों के डर से और यौन उत्पीड़न को एक टैबू माने जाने की वजह से अपना नाम न बताने की शर्त पर अपनी कहानी बयां की है. इन महिलाओं ने बताया कि कभी-कभी तो पुरुष उनके पास आते और साफ-साफ दो टूक शब्दों में कहते, 'मैं तुम्हें छूना चाहता हूं, मुझे ऐसा करने दो.' कभी-कभी यह सबकुछ शादी के नाम पर होता था. उनसे कहा जाता, 'मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं' या 'चलो कहीं साथ चलते हैं.' जानकारों के अनुसार यह पहली बार नहीं है जब ऐसी खबरें सामने आई हैं. अक्सर संघर्षों के काल में इस तरह की खबरें सामने आई हैं. गाजा से पहले दक्षिण सूडान, बुर्किना फासो, कांगो, चाड और हैती में आपात स्थितियों के दौरान दुर्व्यवहार और शोषण की खबरें सामने आई थीं. विशेषज्ञों की मानें तो जब लोग विस्थापित होते हैं और मदद पर निर्भर होते हैं तो महिलाओं को सबसे विकट स्थिति से गुजरना पड़ता है.

ह्यूमन राइट्स वॉच में वीमेन राइट्स डिविजन की एसोसिएट डायरेक्टर हीथर बर्र ने कहा, 'यह एक खतरनाक सच्चाई है कि मानवीय संकट लोगों को कई तरह से कमजोर बना देते हैं, यौन हिंसा में इजाफा अक्सर इसका परिणाम होती है.' उन्होंने आगे कहा, 'गाजा में आज की स्थिति अकल्पनीय है खासकर महिलाओं और लड़कियों के लिए.' गाजा में महिलाओं के साथ काम करने वाली चार साइकोलॉजिस्ट्स ने मरीजों की आपबीती सुनाई.

एक ने कहा कि उनके संगठन ने ऐसे दर्जनों मामलों का निपटारा किया है. इनमें पुरुषों ने कमजोर महिलाओं का यौन शोषण किया और यहां तक कि कुछ महिलाएं गर्भवती तक हो गई. गाजा में स्थानीय संगठनों के लिए काम करने वाली सभी फिलिस्तीनी मनोवैज्ञानिकों ने, महिलाओं की गोपनीयता की चिंताओं और मामलों की संवेदनशील प्रकृति के कारण, नाम न छापने की शर्त पर बात की. गाजा में जहां एक रूढ़िवादी संस्कृति है, किसी भी संदर्भ में एक्स्ट्रा मैरिटल सेक्सुअल रिलेशंस एक गंभीर अपराध माने जाते हैं. उन्होंने कहा कि उनका कोई भी मरीज सीधे बात नहीं करना चाहता.

अपनी कहानियां शेयर करने वाली पांच महिलाओं ने कहा कि उन्होंने पुरुषों के साथ यौन संबंध नहीं बनाए. मनोवैज्ञानिकों ने कहा कि उनके पास आने वाली कुछ महिलाओं ने पुरुषों की मांगों पर सहमति जताई, जबकि बाकियों ने इनकार कर दिया. छह मानवाधिकार और राहत संगठनों का कहना है कि उन्हें मदद मुहैया कराने के नाम पर जुड़े यौन दुर्व्यवहार और शोषण की रिपोर्ट्स की जानकारी है.

एड वर्कर्स ग्रुप्स का कहना है कि गाजा की परिस्थिति, करीब दो साल के युद्ध, कम से कम 90 फीसदी का विस्थापन, और सहायता तक पहुंच को लेकर उथल-पुथल - ने कमजोर लोगों के लिए मानवीय कार्य को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बना दिया है. जैसे-जैसे इस क्षेत्र में भूख और हताशा बढ़ती जा रही है, विशेष रूप से महिलाओं का कहना है कि उन्हें असंभव निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जा रहा हैमहिला ने युद्ध के एक साल बाद, अक्टूबर में शुरू हुई फोन कॉल्स के बार में बताया. उन्होंने बताया कि शुरुआत में उस शख्स के सवाल सीधे-सादे थे. उसने महिला से पूछा था कि उसके पति का क्या हुआ? उनके कितने बच्चे हैं? लेकिन कुछ ही समय के बाद उसका लहजा बदल गया. अब वह शख्स उससे पूछता कि उसने कौन सा अंडरवियर पहना हुआ था? उसका पति उसे कैसे खुश करता था?

महिलाओं ने बताया कि जिन पुरुषों ने उनसे मदद मांगी थी, उन्होंने खुद को एड वर्कर बताया था. एक मामले में मदद का वादा करने वाले एक समुदाय के नेता के तौर पर. कई महिलाओं ने बताया कि यह सब रजिस्ट्रेशन करते या मदद के लिए रजिस्ट्रेशन की कोशिश करते समय हुआ, पुरुषों ने उनके नंबर लिए, जो अक्सर सहायता प्रक्रिया का एक चरण होता है, और बाद में फोन किया. महिलाओं ने बताया कि सभी पुरुष फ़िलिस्तीनी थे। कई महिलाओं ने कहा कि वे यह नहीं पहचान पाई कि वे पुरुष किस सहायता समूह से जुड़े थे.

संयुक्त राष्ट्र और हेल्प ग्रुप्स आम तौर पर स्थानीय समुदायों के साथ काम करते हैं. ये लोगों को ठेकेदार के तौर पर भुगतान करते हैं, स्वयंसेवकों का प्रयोग करते हैं, या समुदाय की तरफ से नियुक्त नेताओं को प्वाइंट ऑफ कॉन्टैक्ट के तौर पर नियुक्त करते हैं. छह बच्चों की मां ने बताया कि जिस व्यक्ति ने उसे नौकरी का वादा किया था, वह संयुक्त राष्ट्र के प्रतीकों वाली कार चलाता था. उन्होंने बताया कि बातचीत के बाद, मैसेज आते रहे जिनमें उनके लेट नाइट सेक्सुअल रिलेशंस बनाने वाले कॉल और तस्वीरों के लिए रिक्वेस्ट्स की गई थीं. उन्होंने बहाने बनाकर उन्हें टालने की कोशिशें कीं. वह अक्सर उसे कहती कि वह बिजी हैं या फिर उनका फोन खराब है या बात नहीं कर सकती हैं.

महिला ने बताया कि उसने गाजा मे मौखिक शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने कहा कि उन्हें बताया गया था कि सबूत के तौर पर उन्हें बातचीत की रिकॉर्डिंग की जरूरत है, लेकिन उनके पास पुराना फोन था, जो कॉल रिकॉर्ड नहीं कर सकता था.जांच एजेंसी की कम्युनिकेशंस डायरेक्टर जूलियट तौमा का कहना है कि एजेंसी यौन शोषण के प्रति जीरो-टॉलरेंस की पॉलिसी अपनाती है. उनकी मानें तो इससे ऐसे मामलों से जुड़ी हर रिपोर्ट को गंभीरता से लिया जाता है. उनका दावा है कि एजेंसी को किसी भी तरह के सबूत की जरूरत नहीं है. उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या कर्मचारियों को इस घटना की जानकारी दी?

गाजा पट्टी में जारी इजराइल-हमास युद्ध ने न सिर्फ घरों को उजाड़ा है, बल्कि महिलाओं की जिंदगी को एक ऐसी अंधेरी गली में धकेल दिया है.

युद्ध की आग में जलते हुए उस मां का दिल कितना टूटता होगा, जब अपने बच्चों की भूख मिटाने के लिए उसे अपने शरीर को किसी के सामने परोसना पड़े? भूखे बच्चों का पेट भरने के लिए उसे उन मर्दों की भूख मिटानी पड़े, जो उसे 2 निवाले देने का वादा करता है गाजा पट्टी में जारी इजराइल-हमास युद्ध ने न सिर्फ घरों को उजाड़ा है, बल्कि महिलाओं की जिंदगी को एक ऐसी अंधेरी गली में धकेल दिया है, जहां भोजन के बदले शारीरिक संबंध बनाने की मजबूरी बन गई है. ऐसी एक-दो नहीं बल्कि कई महिलाओं ने अपनी आंसू भरी आंखों से ये दास्तां सुनाई कि कैसे भूख और बेबसी ने उन्हें इस दलदल में फंसा दिया।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

धरती पर हर प्राणी का अधिकार- संवेदनशीलता का पर्व

[विश्व पशु कल्याण दिवस- करुणा की क्रांति का प्रतीक]
[जब आँखें बोलती हैं और मौन हकीकत बन जाता है]

धरती की हर धड़कन में एक अनकही पुकार गूँजती है—उन जीवों की, जो बिना शब्दों के अपनी पीड़ा बयां करते हैं। उनकी मौन आँखों में छिपा दर्द सुनाई तो नहीं देता, मगर उनका जीने का अधिकार उतना ही सच्चा है, जितनी हमारी साँसें। हर साल 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस के रूप में यह पुकार हमें झकझोरती है। यह महज़ एक तारीख नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है—सभी प्राणियों के प्रति करुणा, सम्मान और संरक्षण का संकल्प। यह वह क्षण है, जब हमें ठहरकर पूछना होगा–क्या हम सचमुच ऐसी दुनिया बना रहे हैं, जहाँ हर जीव का जीवन उतना ही अनमोल हो, जितना हमारा? विश्व पशु कल्याण दिवस की नींव संत फ्रांसिस ऑफ अस्सीसी के प्रेम और प्रकृति के प्रति समर्पण से पड़ी, जिन्होंने हर जीव को ईश्वर का अंश माना। 1931 में इटली से शुरू हुआ यह आंदोलन आज वैश्विक मंच पर पशु अधिकारों और उनके कल्याण की मज़बूत आवाज़ बन चुका है। लेकिन चुनौतियाँ अब भी बरकरार हैं। जंगल सिकुड़ रहे हैं, प्रजातियाँ खामोशी से विलुप्त हो रही हैं, और पशु क्रूरता की घटनाएँ हमारे समाज पर दाग़ की तरह हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 2022 की रिपोर्ट चीख-चीखकर बताती है कि 1970 से अब तक वन्यजीवों की आबादी में 69त की गिरावट आई है। क्या हमारी तरक्की की कीमत इन बेज़ुबान जीवों की ज़िंदगी होनी चाहिए? पशु कल्याण केवल भावनाओं का विषय नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और पर्यावरणीय ज़रूरत भी है। शोध साबित करते हैं कि चिंपैंजी, ऑक्टोपस, यहाँ तक कि कौवे भी गहरी बुद्धिमत्ता और भावनात्मक संवेदनशीलता रखते हैं। कौवे उपकरण बनाकर समस्याएँ सुलझाते हैं, तो हाथी अपने साथियों के लिए शोक मनाते हैं। डॉल्फ़िन आपसी सहयोग से खतरों का सामना करती हैं। ये तथ्य हमें बताते हैं कि पशु न सिर्फ़ जीवित प्राणी हैं, बल्कि संवेदनाओं और सामाजिक बुद्धि से परिपूर्ण हैं। उनकी भावनाओं को अनदेखा करना, हमारी अपनी मानवता को कमज़ोर करना है। पशुओं का शोषण एक ऐसी सच्चाई है, जो हमारे समाज पर गहरा दाग़ छोड़ता है—चाहे वह अवैध शिकार की क्रूरता हो, सर्कस में बेज़ुबानों के साथ अत्याचार हो, या प्रयोगशालाओं में अनैतिक परीक्षणों का दर्द। विश्व पशु संरक्षण संगठन की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि हर साल 70 अरब से अधिक जानवर मांस, डेयरी और अंडे के लिए मारे जाते हैं, जिनमें से अधिकांश को अमानवीय, हृदयविदारक परिस्थितियों में रखा जाता है। भारत जैसे देश में, जहाँ गाय को माँ का दर्जा दिया जाता है, वहाँ भी सड़कों पर आवारा पशुओं की दुर्दशा और उनकी अवैध तस्करी एक कड़वा सच है। पेटा इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल लाखों पशु मांस और चमड़े के लिए गैर-कानूनी तस्करी का शिकार होते हैं। यह सवाल उठाता है—क्या हमारी परंपराएँ और आधुनिकता की दौड़ में पशु कल्याण कहीं भटक गया है? पशु कल्याण केवल नैतिकता का विषय नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य का आधार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, 60त से अधिक संक्रामक रोग पशुओं से मनुष्यों में फैलते हैं। स्क्र, स्क्र्क्र और COVID-19 जैसे ज़ूनोटिक रोग हमें चेतावनी देते हैं कि जब हम जंगलों को नष्ट करते हैं, पशुओं के प्राकृतिक आवास छीनते हैं, या उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में कैद करते हैं, तो हम अपनी ही सेहत को दाँव पर लगाते हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की 2020 की रिपोर्ट बताती है कि वनों की कटाई और अवैध वन्यजीव व्यापार ने ज़ूनोटिक रोगों का जोखिम 30त तक बढ़ा दिया है। यह साफ़ है कि पशु कल्याण और मानव कल्याण एक-दूसरे से गहरे जुड़े हैं—एक की उपेक्षा, दूसरे को खतरे में डालती है।

लेकिन सवाल यह है कि हम बदलाव कैसे लाएँ? विश्व पशु कल्याण दिवस न केवल जागरूकता का, बल्कि ठोस कदमों का आह्वान है। व्यक्तिगत स्तर पर, हम छोटे बदलावों से शुरुआत कर सकते हैं—मांसाहारी भोजन कम करना, जैविक और कल्याणकारी खेती से उत्पादित सामग्री चुनना, और पशु उत्पादों का विवेकपूर्ण उपयोग। सामुदायिक स्तर पर, भारत के ब्लू क्रॉस और वाइल्डलाइफ SOS जैसे संगठनों का समर्थन करें, जो घायल और परित्यक्त पशुओं की देखभाल करते हैं। बच्चों को पशुओं के प्रति करुणा सिखाना भविष्य को संवेदनशील बनाने का सबसे शक्तिशाली कदम है। आर्थिक नज़रिए से भी पशु कल्याण के लाभ अनगिनत हैं। कल्याणकारी खेती से प्राप्त मांस, दूध और अंडे न केवल पौष्टिक हैं, बल्कि पर्यावरण पर बोझ भी कम करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, टिकाऊ और कल्याणकारी खेती ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 20-30त तक कम कर सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ पशुपालन अर्थव्यवस्था का मज़बूत स्तंभ है, कल्याणकारी प्रथाएँ अपनाने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मज़बूती मिल सकती है। यह केवल पशुओं का नहीं, बल्कि हमारी धरती और भावी पीढ़ियों का सवाल है।

विश्व पशु कल्याण दिवस हमें एक गहरी सच्चाई से रूबरू कराता है—पशु संरक्षण केवल जंगलों में रहने वाले वन्यजीवों तक सीमित नहीं, बल्कि हमारे घरों और गलियों में साँस लेने वाले हर प्राणी का हक है। भारत में करीब 6 करोड़ आवारा कुत्ते भोजन, आश्रय और चिकित्सा के अभाव में तड़पते हैं। हमारे पालतू जानवर—कुत्ते, बिल्लियाँ और अन्य साथी—भी उतने ही प्यार और देखभाल के हकदार हैं। एक छोटा-सा कदम, जैसे टीकाकरण में मदद करना, या उनके लिए आश्रय की व्यवस्था करना, इन बेज़ुबान जीवों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। इस दिन का मूल संदेश है—सम्मान, सह-अस्तित्व और करुणा। जब हम किसी जानवर की रक्षा करते हैं, तो हम सिर्फ़ उसकी जान नहीं बचाते, बल्कि अपनी मानवता को भी पोषित करते हैं। विश्व पशु कल्याण दिवस हमें सिखाता है कि यह धरती सभी प्राणियों की साझा विरासत है। यह केवल विचारों का दिन नहीं, बल्कि कर्म का आह्वान है। चाहे वह पक्षियों के लिए एक बर्तन में पानी रखना हो, या पशु संरक्षण नीतियों का समर्थन करना—हर छोटा-बड़ा प्रयास इस धरती को और जीवंत बनाता है। पशु कल्याण सिर्फ़ उनकी सुरक्षा का सवाल नहीं, बल्कि हमारी आत्मा को बचाने का मिशन है। जब हम प्रकृति और इसके हर जीव के प्रति प्रेम और सम्मान का भाव अपनाते हैं, तो हम एक ऐसी दुनिया रचते हैं जो न केवल टिकाऊ, बल्कि करुणामय और न्यायपूर्ण भी है। विश्व पशु कल्याण दिवस हमें यही संदेश देता है—हर जीव की धड़कन हमारी धड़कन से जुड़ी है। इस दिन को एक नए संकल्प का प्रतीक बनाएँ—एक ऐसी दुनिया का वादा, जहाँ हर प्राणी के लिए सम्मान, प्यार और सुरक्षा हो। हर कदम गिनती करता है, हर संकल्प बदलाव लाता है।

प्रो. आरके जैन

देश में धर्मातरण के बढ़ते कदम - राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कही घातक न बन जाए ?

भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र हे लेकिन भारत का धर्म निरपेक्ष राष्ट्र होना इस देश के बहुसंख्यक वर्ग के हिन्दुओ के लिये शायद दुर्भाग्य बनता जा रहा हे तभी तो आज़ादी के पहले मुस्लिम आक्रंताओ ने इस देश के हजारो लाखो हिन्दुओ को तलवार के दम पर मुस्लिम धर्म अपनाने पर मजबूर किया था तो वही आज़ादी के बाद देश के गरीब मध्यम वर्ग के भोले भाले हिन्दू लोगो को इसाई मिशनरी से जुड़े कुछ लोगो द्वारा धर्म सेवा ओर सुविधा के नाम पर प्रलोभन देकर इसाई धर्म अपनाने का काम देश के ग्रामीण अंचलो में बेखोफ तरीके से किया जा रहा हे ! इस देश में धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार सभी लोगो के लिए हे किंतु बड़े पैमाने पर देश के हर राज्य में गावो में बड़ी संख्या में धर्म परिवर्तन होना देश से बहुसंख्यक हिन्दुओ को खत्म करने की एक सोची समझी अंतर्राष्ट्रीय साजिश सी लगती हे ! बेकोल इसाई मशनरी द्वारा देश की आज़ादी के पहले से ग्रामीण इलाको में रह रहे लोगो के जीवन को सवारने के लिए निस्वार्थ भाव से चिकित्सा, शिक्षा और जाग्रति का उद्देश किये अच्छे कार्य किये जाते रहे हे लेकिन पिछले कुछ वर्षो से कुछ तथाकतिथ मिशनरी से जुड़े लोगो द्वारा देश के विशेषकर आर्थिक रूप से गरीब मध्यम कमजोर वर्ग के हिन्दू लोगो को कही स्वास्थ सुविधा के नाम पर तो कही आर्थिक रूप से मदद की लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन करवाकर इसाई बनाने की घटनाये देशभर में बड़ी तेजी से बढ़ने लगी हे जिसके चलते इसाई मशनरी के सेवा कार्यो को देश में संदेह की दृष्टि से देखा जाता हे !

देश में आज धर्मातरण एक गंभीर समस्या बनती जा रही हे जिसके चलते देश में आये दिन विवाद की स्थिति बनती जा रही हे ! देश के कई राज्यों में सरकारों द्वारा धर्मातरण कानून बनाया गया लेकिन धार्मिक स्वतन्त्रता के अधिकार की आड़ में धर्मातरण करवाने वाले अपराधी अक्सर बच जाते हे ! विश्विक पटल पर भारत जिस प्रकार से आर्थिक रूप से मजबूत होकर विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनकर अमेरिका और चीन के लिए चुनोती बनकर उभरा हे उसको देखते हुए यह निश्चित रूप से कह सकते हे कि विश्व के इसाई बहुल कोई भी देश भारत की इस आर्थिक प्रगति को पचा नही पायेगा इसलिए भारत की आर्थिक प्रगति रोकने के लिए अमेरिका और चीन द्वारा भारत विरोधी ताकतों को आर्थिक मदद से धर्मानंतरण और आतंकवाद के सहारे पिछले कई वर्षो से भारत के विकास की गति ठप्प करने का प्रयास किया जाता रहा लेकिन भारत सरकार के मजबूत इरादों के चलते देश का विकास तो अवरुद्ध नही हुआ लेकिन धर्मान्तरण बड़ी तेजी से देश में फेला जरुर हे ! मुस्लिम कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोग भी आतंकवादियों को शह देकर और लव जिहाद के नाम पर विशेषकर हिन्दू युवतियों को अपने जाल में फसाकर उनका धर्मान्तरण करवाने की घटनाओ को बढ़ावा देकर देश का साम्प्रदायिक सोहाद्र को बिगाड़ कर देश को अस्थिर करने का कार्य कर रहे हे !

देश में बढ़ती धर्मान्तरण की घटनाओं को देखते हुए भारत सरकार को सख्त कदम उठाते हुए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार कानून में तब्दीली करते हुए धर्मान्तरण करने वाले व्यक्ति को वह शासकीय सुविधा और अधिकार का लाभ नही दिया जाना चाहिए जो वह धर्मान्तरण के पूर्व में प्राप्त कर रहा था ! सरकार को जबरन धर्मान्तरण करवाने वाले लोगों के खिलाफ राष्द्रोह की तहत मामला दायर किया जाये ! देश में आये दिन अवेध रूप से बन रहे गिरजाघरों और दरगाहों के चलते ग्रामीण क्षेत्रो में विवाद की स्थितिया ज्यादा ही अब निर्मित होने लगी हे! भारत सरकार और राज्य सरकारों को इस पर गम्भीर होकर बिना पूर्व अनुमति से लोगो की जमीनों या शासकीय भूमि पर बने गिरजाघरो और दरगाहो की भी जाच अब बड़े पैमाने पर देशभर में की जाने की आवश्यकता हे और जो अनाधिकृत रूप से बनाये गये गिरजाघर दरगाह मस्जिदे या फिर एनी धार्मिक स्थल हे उन्हें जिला प्रशासन तत्काल जमिजोद करे ! देश का साम्प्रदायिक सोहाद्र बना रहे इसलिए इसाई मिशनरी और मुस्लिम वर्ग से जुड़े सभी बड़े धर्माचार्यो आगे आकर जबरन धर्मान्तरण और लव जिहाद करने वाले तथाकतिथ धर्म विरोधी लोगो का एक स्वर में विरोध करना चाहिए होना चाहिए और सरकार से ऐसे सभी धर्म विरोधी लोगो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग समाज प्रमुखों को करना होगी भी देश में धर्मान्तरण पर अंकुश लग पायेगा अन्यथा देश में धर्मातरण के बढ़ते कदम - राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भविष्य में बड़े घातक हो सकते हे !

अरविन्द रावल

लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं विपक्ष का चेहरा

भारत का लोकतंत्र संविधान की सबसे मनमोहक और गौरवपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। यह केवल शासन की प्रणाली ही नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के हर नागरिक की आवाज़, उनके अधिकार, न्याय और समानता का स्वस्थ एवं महान प्रतीक है। लोकतंत्र की असली सुंदरता इसकी प्रजातांत्रिक स्वतंत्रता में है, जहाँ हर व्यक्ति–चाहे वह सांसद हो या आम नागरिक–अपने विचार व्यक्त कर सकता है और सुझाव दे सकता है और किसी भी गलत बात के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद कर सकता है। यही लोकतंत्र की मूल आत्मा है, जो भारतीय लोकतंत्र को जीवंत, सशक्त और गौरव शाली बनाती है।

हालांकि, वर्तमान समय में यह देखा गया है कि मनोनीत विपक्ष और कुछ सांसद लोकतंत्र को कथित तौर पर बड़े खतरे में बता रहे हैं। उनके इस कथन से कभी-कभी मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भ्रम फैलाया जाता है। यह दृश्य समाज में सवाल उठाता है क्या वास्तव में लोकतंत्र संकट में है, यह केवल बहस और आलोचना की प्रक्रिया का हिस्सा है या अपनी नाकामी और निष्क्रियता को पर्दे में रखने के लिए सत्ताधारी दल पर लोकतंत्र के खतरे का आह्वान कर आरोप लगाया जाता है। वास्तविकता यह है कि लोकतंत्र की मजबूती विपक्षी दलों के जिम्मेदार और संवेदनशील दृष्टिकोण में निहित है। संसद और विधानसभा में विपक्ष सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, सवाल उठाता है और सुधार की दिशा सुझाता है। यही लोकतंत्र की जिजीविषा और आलोचना ही लोकतंत्र की ताकत बनती है, जब यह विपक्ष सशक्त, रचनात्मक और संवेदनशील हो। 2011 के 'जनलोकपाल आंदोलन' में विपक्ष ने भ्रष्टाचार की खामियों को उजागर किया और साथ ही सुधार के सुझाव भी दिए थे। कोरोना महामारी के दौरान विपक्ष ने राहत और स्वास्थ्य योजनाओं में सुधार के लिए सक्रिय भूमिका भी निभाई थि।चुनावी समय में डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर जनता की भागीदारी ने लोकतंत्र को और अधिक पारदर्शी और सशक्त बनाया।किंतु कभी-कभी विपक्षी दल या सांसद केवल नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं। बार-बार हंगामा, सोशल मीडिया पर लोकतंत्र की कमजोरी का प्रचार, या असहज प्रदर्शन–ये सभी लोकतंत्र की सौम्य प्रक्रिया को चुनौती देते हैं। ऐसे समय में जनता की जागरूक भागीदारी, मीडिया की निष्पक्षता और न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रक्षा करती हैं।

अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाए, तो कभी-कभी यह प्रचारित किया जाता है कि भारत का लोकतंत्र संकट में है। यह आरोप मुख्यतः विपक्षी घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने या उन्हें संदर्भ से अलग पेश करने से उत्पन्न होते हैं। वास्तविकता यह है कि भारत का लोकतंत्र मजबूत, जीवंत और संवेदनशील है। संसद में बहस, विरोध और आलोचना लोकतंत्र की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। यही लोकतंत्र की गहराई और सजीवता को दर्शाता है। भविष्य में लोकतंत्र और अधिक सशक्त तभी होगा, जब जनता सजग, विपक्ष जिम्मेदार और सरकार पारदर्शी रहे। डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया लोकतंत्र की प्रक्रिया को और अधिक समावेशी और जीवंत बना रहे हैं। लोकतंत्र केवल वोट देने का माध्यम नहीं है, बल्कि हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी, न्याय की भावना और संवेदनशीलता का अद्भुत सम्मिश्रण है। भारत का लोकतंत्र संविधान की सबसे मनमोहक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। मनोनीत विपक्ष और कुछ सांसदों द्वारा इसे खतरे में बताने के बावजूद वास्तविकता यह है कि लोकतंत्र सशक्त, संवेदनशील और गर्वित है। आलोचना जिम्मेदारी और रचनात्मकता के साथ हो, तभी लोकतंत्र प्रगतिशील बनता है। जनता की जागरूकता, स्वतंत्र न्यायपालिका और जिम्मेदार विपक्ष–ये सभी मिलकर लोकतंत्र की चमक, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की गरिमा को बनाए रखते हैं।

संजीव ठाकुर

सावरकर - एजेंट नहीं, अंग्रेज़ साम्राज्य का शत्रु

स्वातंर्त्यवीर विनायक दामोदर सावरकर पर यह आरोप लगाना कि वे अंग्रेज़ों के एजेंट थे, अपने आप में इतना हास्यास्पद है कि यह सुनकर इतिहास भी हँस पड़ता है। सोचने वाली बात है कि यदि वे सचमुच अंग्रेज़ों के आदमी होते तो उन्हें दो जन्मों की आजीवन कारावास की सज़ा देकर अंडमान की काल कोठरी में क्यों झोंक दिया गया? एजेंटों को तो पुरस्कार और सत्ता मिलती है, उन्हें जेल की कालिख और कोल्हू में बैल की तरह जोते जाने की अमानवीय यातना नहीं दी जाती। सावरकर ने अंडमान में चौदह वर्ष तक वे सब कष्ट सहे, जिन्हें सुनकर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। क्या यह किसी एजेंट का जीवन है? फिर दूसरा सवाल उठता है सत्ता हस्तांतरण का। 1947 में जब अंग्रेज़ भारत छोड़कर गए तो उन्होंने सत्ता सावरकर के हाथों में क्यों नहीं सौंपी? अंग्रेज़ तो हमेशा वही करते हैं जो उनके हित में हो। यदि सावरकर उनका आदमी होते तो नेहरू नहीं, वही प्रधानमंत्री बनते। लेकिन हुआ उलटा। अंग्रेज़ों ने सत्ता कांग्रेस और नेहरू को सौंपी क्योंकि उन्हें वही अपने लिए अनुकूल लगे। इसका साफ़ अर्थ यह है कि सावरकर उनके लिए भरोसेमंद कभी थे ही नहीं। बल्कि उनकी विचारधारा से अंग्रेज़ सबसे अधिक भयभीत थे। अब आती है दया याचिका की बात, जिस पर सबसे ज़्यादा भ्रम फैलाया गया। सावरकर ने जेल से बाहर आने के लिए याचिकाएँ दीं। लेकिन यह भी जानना ज़रूरी है कि जेल का हर कैदी ऐसा करता था। लोकमान्य तिलक ने भी किया, नेहरू ने भी किया, यहाँ तक कि सुभाषचंद्र बोस ने भी अलग-अलग समय पर सज़ा कम करने हेतु याचिकाएँ दीं। सावरकर की याचिका कोई भीख माँगना नहीं थी, बल्कि एक राजनीतिक रणनीति थी। उनका मक़सद बाहर आकर आंदोलन को गति देना था। और अंग्रेज़ों को यदि उन पर सच में भरोसा होता तो वे उन्हें तुरंत छोड़ देते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चौदह साल की कठोर सज़ा के बाद भी उन्हें रत्नागिरी में वर्षों तक नज़रबंद रखा गया। अगर वे एजेंट होते तो यह नज़रबंदी क्यों? किसी एजेंट को कौन बाँधकर रखता है?

रत्नागिरी में अंग्रेज़ों ने उन पर यह शर्त लगा दी थी कि वे ज़िला नहीं छोड़ सकते, राजनीति में सक्रिय नहीं हो सकते, कोई भाषण नहीं दे सकते। यह सब किसी एजेंट के साथ नहीं, बल्कि उस क्रांतिकारी के साथ होता है जिससे शासक साम्राज्य डरता हो। यही सच्चाई है। याद कीजिए, भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त जैसे क्रांतिकारी सावरकर की रचनाएँ पढ़कर प्रेरित हुए और नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने उनकी क्रांतिकारी चेतना की प्रशंसा की। यहाँ तक कि नेहरू ने भी संसद में उन्हें स्वतंत्रता सेनानी के रूप में श्रद्धांजलि दी। तो क्या ये सब लोग किसी ÷ब्रिटिश एजेंट÷ से प्रेरणा ले रहे थे? यह आरोप इतना खोखला है कि स्वयं इतिहास उसका गला दबाकर उसे नकार देता है। असल बात यह है कि सावरकर की विचारधारा के विरोधी, विशेषकर वामपंथी और तुष्टिकरणवादी मानसिकता वाले लोग, उन्हें बदनाम करने के लिए यह झूठा ठप्पा लगाते रहे। क्योंकि यदि सावरकर का वास्तविक तेज़ सामने आ गया तो उनकी बनाई हुई झूठी कहानियाँ और एकपक्षीय इतिहास की इमारत भरभराकर गिर जाएगी।

सच यही है कि सावरकर अंग्रेज़ों के एजेंट नहीं, बल्कि अंग्रेज़ी साम्राज्य के लिए सबसे बड़ा खतरा थे। एजेंट को सत्ता और सुविधा मिलती है, लेकिन सावरकर की पहचान यातना, त्याग और बलिदान से हुई। उनकी याचिकाएँ आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि रणनीति थीं। अंग्रेज़ उनसे डरते थे और विरोधी आज भी उनके नाम से काँपते हैं। जो लोग उन्हें एजेंट कहते हैं, असल में वही अंग्रेज़ी मानसिकता के गुलाम और भारतविरोधी एजेंडे के एजेंट हैं। और यहाँ अटल बिहारी वाजपेयी की वह ओजस्वी वाणी गूँजती है "सावरकर माने तेज। सावरकर माने तप। सावरकर माने त्याग। सावरकर माने तृष्णा। सावरकर माने तपस्या। सावरकर माने तन्मयता। सावरकर माने तपप्पूत जीवन।" यही है सावरकर का वास्तविक परिचय। झूठे आरोप उनके तेज़ को म्लान नहीं कर सकते, बल्कि उनके तेजस्वी जीवन की सत्याग्नि को और भी प्रखर कर देते हैं।

हरीश कुमार शास्त्री

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आकर दो युवक झुलसे, हालत गंभीर

पंडाल हटाते समय करंट की चपेट में आए दो युवक, गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रघुनाथगंज मजरे खजूर गांव में बृहस्पतिवार की देर शाम को दुर्गा पूजा पंडाल हटाते समय बड़ा हादसा हो गया। हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो युवक गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। गांव में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई थी। प्रतिमा विसर्जन के बाद टेंट हटाने का कार्य चल रहा था। इसी दौरान गांव निवासी राहुल (32) पुत्र चंदन प्रसाद और अनुराग गुप्ता उर्फ अमन (26) पुत्र रामविलास टेंट का सामान समेट रहे थे। टेंट हटाते समय लोहे की पाइप ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गई। जिससे पाइप में अचानक करंट फैल गया। दोनों युवक इसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। मौके पर अफरातफरी मच गई। वहां मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिमा विसर्जन के बाद ग्रामीण मिलकर पंडाल का सामान समेट रहे थे। तभी यह बड़ा हादसा हो गया। दोनों युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

विद्यालय में वन्य जीव सप्ताह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बिसवां (सीतापुर)। बिसवां रेंज अन्तर्गत कृष्णा देवी म्युनिसिपल गर्ल्स इण्टर कालेज बिसवां में शुक्रवार को वन विभाग द्वारा "वन्य जीव सप्ताह" कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं द्वारा चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा 11 बी की छात्रा छाया प्रथम, ऐना द्वितीय तथा चाहत गुप्ता तृतीय स्थान पर रहीं वहीं निबन्ध प्रतियोगिता में कक्षा 11 बी की छात्रा अर्चना प्रथम,निधि द्वितीय तथा स्मृति पाण्डेय तृतीय स्थान प्राप्त कर विजयी रहीं। सभी विजयी प्रतिभागी छात्राओं को प्रथम , द्वितीय व तृतीय पुरुस्कार प्रदान किए गए। इसके साथ ही छात्रा श्वेता यादव व तनिष्का गुप्ता को भी सांत्वना पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय वन अधिकारी ए0के0 सिद्दीकी द्वारा शिक्षिकाओं एवं छात्राओं को वन्य जीवों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में श्री सिद्दीकी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस मौके पर वन दरोगा अनिरुद्ध कुमार व राजनाथ यादव तथा वन रक्षक सुश्री शिखा शुक्ला सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

संकट हरण शिव मंदिर में मूर्ति स्थापना, भव्य कलश शोभायात्रा से गूँजा अमानीगंज

मलिहाबाद। संकट हरण शिव मंदिर, ग्राम अमानीगंज में मूर्ति स्थापना के पावन अवसर पर गुरुवार को गाँव में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। यह धार्मिक आयोजन आस्था और उत्साह का केंद्र बना, जिसमें क्षेत्र की महिलाओं और भारी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पूरे भक्तिभाव से प्रतिभाग किया।

शुभ मुहूर्त पर मंदिर से आरंभ हुई शोभायात्रा गाँव के प्रमुख मार्गों से गुजरी। माथे पर कलश धारण किए हुए महिलाओं की कतार, भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ जब आगे बढ़ी तो पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। स्थानीय लोगों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

शोभायात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। दिनभर चले कार्यक्रम के बाद, शाम को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी क्षेत्रवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही, देर रात तक जागरण का भी आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस पूरे धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में कमलेश, शैलेंद्र यादव, विजय यादव एवं शिवमोहन मिश्रा समेत कई स्थानीय स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमानीगंज में हुए इस भव्य आयोजन से क्षेत्र में एक धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा।

कुल्हाड़ी से काट कर महिला की हत्या, तीन पर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के टाटियापुर मजरे बसंतपुर कठोईया गांव में बुधवार की देर शाम को रंजिश के चलते एक महिला की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। गांव निवासिनी प्रमिला (42) पत्नी बाबूलाल छत पर मोबाइल चला रही थी। तभी गांव के ही रहने वाले शिवम मनीष अमर बहादुर कुल्हाड़ी और लाठीयों से हमला बोल दिया। जिससे महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रमिला का पति बाहर नौकरी करता है। घर पर वह अपने 9 वर्षीय बेटे आदित्य के साथ रहती थी। परिजनों ने गांव के ही तीन लोगों पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से अहम साक्ष्य भी एकत्र किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंह ने बताया कि हत्या में तीन लोग शामिल बताए जा रहे हैं। वे मृतका के रिश्तेदार ही हैं। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया हैं। मामला दर्ज कर मामले में कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीम में गठित कर दी गई हैं। जल्द ही मामले के आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

सपा सरकार बनने पर आशा बहू व आंगनबाड़ी को राज्य कर्मचारी मिलेगा दर्जा-आरके चौधरी

● आशा बहुओं का सम्मान आधी आबादी का उत्थान- रिंकी सिंह

सपा महिला सभा द्वारा पीडीए नारी सम्मान समारोह का अयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव रिंकी सिंह के द्वारा मलिहाबाद विधानसभा सपा कार्यालय पर पीडीए नारी सम्मान समारोह का अयोजन किया।अध्यक्षता महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप सांसद आरके चौधरी उपस्थित रहे। आशा बहू,आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को एक-एक लन्च बॉक्स देकर सम्मानित किया। आशा बहुओं और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने विभागीय अपनी समाएं बताई।सांसद आरके चौधरी ने कहा सपा सरकार बनाने पर सभी समस्याएं खत्म होंगी।उन्होंने कहा कि आशा बहुओं और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की समस्याएं लोकसभा में समाजवादी पार्टी जोरशोर से उठाएगी।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मधुशालाएँ खुलवा रही है और पाठशाला बंद कर रही है।सन 2027 में पीडीए सरकार बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएं। कार्यक्रम आयोजक रिंकी सिंह ने कहा कि सभी की समस्याओं के समाधान के लिए सपा सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगी।कार्यक्रम का शुभारंभ वीरांगना फूलन देवी,नेता मुलायम सिंह यादव, डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर सभी ने पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, महिला सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, राष्ट्रीय सचिव सुनीता मित्रा, राष्ट्रीय महासचिव मेहनाज खान, उपाध्यक्ष डॉ मीनाक्षी अग्रवाल, निवर्तमान विधायक प्रत्याशी सोनू कनौजिया, उपाध्यक्ष विजयश्री गौतम, जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान, उपाध्यक्ष टीबी सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सोनीष मौर्य, महंत त्रिभुवन नाथ, राष्ट्रीय महासचिव छात्र सभा आदर्श सिंह ने सम्बोधित किया। बड़ी संख्या में मलिहाबाद, काकोरी, माल की आशा बहू और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

गांव में दिखा जंगली जानवर मिले पगचिह्न, वन विभाग ने लगाया पिंजरा ग्रामीणों में दहशत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के महोली विकासखंड के रामनगर और गिरधरपुर गांव में तीन दिन पहले दिखाई दिए तेंदुए की दहशत अब तक बनी हुई है ग्रामीण अपने पशुओं की सुरक्षा को लेकर रात्रि में जागने को मजबूर हैं वहीं दूसरी तरफ डीएफओ नवीन खंडेलवाल के निर्देश पर वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने की रणनीति बनाई है। इसी क्रम में बुधवार देर शाम गांव के पास लगाए गए पिंजड़े में बकरी को बांधा गया ताकि तेंदुआ उसमें फंस सके इस दौरान डिप्टी रेंजर आदित्य सिंह, टाइगर ट्रेकर चेतन कुमार, वन दरोगा विनीत सक्सेना और वनकर्मी अभय सिंह मौके पर मौजूद रहे। डिप्टी रेंजर आदित्य सिंह ने ग्रामीणों से अपील की कि वे लोग पिंजड़े के करीब न जाएं और पूरी तरह सुरक्षित रहें उन्होंने कहा कि वन विभाग लगातार सक्रिय है और जल्द ही तेंदुए को पकड़ने की कोशिशें सफल होंगी गांव के निवासी दिनेश चंद्र शुक्ला ने बताया कि तेंदुआ गांव के बेहद करीब कई बार देखा गया है इसी वजह से ग्रामीणों के बीच भारी दहशत का माहौल है उन्होंने कहा कि गांव वाले अब बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं वहीं दूसरे ग्रामीण सोनेलाल शुक्ला का कहना है कि तेंदुए का डर इतना बढ़ गया है कि वह अपने जानवरों को बचाने के लिए रात-भर जागते रहते हैं उनके मुताबिक मवेशी पिंजड़े के नजदीक ही बांधे जाते हैं, जिससे डर और बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द तेंदुए को पकड़ने की कार्रवाई नहीं होती तो बड़ी अनहोनी हो सकती है फिलहाल गांव में दहशत का माहौल है और लोग सुरक्षा की मांग कर रहे हैं दूसरी ओर वन विभाग का दावा है कि टीम पूरी तरह मुस्तैद है और किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है!!

निगोहां में संकट मोचन एसोसिएट का भव्य शुभारंभ, प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से घर-घर पहुंचेगी मुफ्त बिजली

● ....केंद्र और राज्य सरकार दे रही हैं 1.08 लाख रुपये तक की सब्सिडी, सोलर ऊर्जा से घटेगा बिजली का बोझ, बढ़ेगी आत्मनिर्भरता।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां/लखनऊ। गुरुवार को निगोहां कस्बे में संकट मोचन एसोसिएट (स्रू स्थ्द्यड्डद्ध) के कार्यालय का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रोपराइटर राज मिश्रा ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ आम जनता तक पहुँचाना है, ताकि हर घर सौर ऊर्जा से रोशन हो सके और लोगों को बिजली बिल के भारी बोझ से मुक्ति मिले।

राज मिश्रा ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत सरकार उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दे रही है। 3 किलोवाट या उससे अधिक के सोलर संयंत्र लगाने पर 1.08 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से 78,000 रुपये और राज्य सरकार की ओर से 30,000 रुपये का अंशदान शामिल है। वहीं 1 किलोवाट पर 45,000 रुपये और 2 किलोवाट पर 90,000 रुपये की सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल ग्रामीण और शहरी परिवारों को मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी यह एक बड़ा कदम साबित होगा। स्थानीय लोगों ने योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से हजारों परिवार सीधे लाभान्वित होंगे और महंगाई के दौर में बिजली खर्च से बड़ी राहत मिलेगी।

संकट मोचन एसोसिएट के निगोहां थाने के पास स्थित सोलर कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व प्रधानाचार्य ब्रजेन्द्र कुमार मिश्र, मोहनलालगंज ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ल 'विन्ध्येश्वरी', एसीपी रजनीश वर्मा, थानाध्यक्ष निगोहां अनुज तिवारी, पूर्व विधायक अम्बरीष पुष्कर, भाजपा नेता नागेश्वर द्विवेदी, सेंट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव मिश्र (मंटू), समाजसेवी अभिषेक शुक्ल, सुरेन्द्र दीक्षित, अखिलेश द्विवेदी, चौकी इंचार्ज अनूप तिवारी, प्रियंका सिंह रघुवंशी, प्रदीप द्विवेदी, योगेश वाजपेई, आई.पी. सिंह, विकास सिंह, गुलाम गौस, मंदीप सिंह, एजाज खान, मुरारी यादव सहित सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर प्रेरणादायक आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती (2 अक्टूबर) के अवसर पर मलिहाबाद और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण रहा। परिषदीय विद्यालयों, निजी शिक्षण संस्थानों, पुलिस थानों और विभिन्न सरकारी कार्यालयों में दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

विद्यालयों में आदर्शों की शपथ

जश्न का मुख्य केंद्र रहे परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों ने छात्रों को दोनों महापुरुषों के आदर्शों और सादगीपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प दिलाया। इस दौरान सर्व धर्म समभाव, राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा, और देश की एकता-अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। जयंती समारोह को सिर्फ श्रद्धांजलि तक सीमित न रखते हुए, स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण, वृक्षारोपण और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक संदेशों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया।

पुलिस थानों में निष्ठा का संकल्प

सरकारी संस्थाओं में भी यह दिवस प्रेरणा का स्रोत बना। मलिहाबाद के इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी और रहीमाबाद के इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुनायक ने पुलिस थानों में आयोजित कार्यक्रम में दोनों महापुरुषों को याद किया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को उनकी ड्यूटी के प्रति निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने की शपथ दिलाई, जो राष्ट्रपिता के सत्य और शास्त्री जी के कर्तव्यनिष्ठा के मूल्यों को दर्शाती है। यह जयंती समारोह एक औपचारिकता न होकर, आने वाली पीढ़ियों को उनके उच्च आदर्शों पर चलने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देने वाला अवसर साबित हुआ।

विजयदशमी का उल्लास रावण दहन के साथ पारंपरिक मेलों में उमड़ी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयदशमी पर्व क्षेत्र में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कई स्थानों पर रावण के पुतले का दहन किया गया, जिसके साथ ही सदियों से चले आ रहे पारंपरिक मेलों और रामलीलाओं का भी भव्य आयोजन हुआ।

खड़ौहा में अनोखी परंपरा और विशाल मेला

ग्राम सभा खड़ौहा में दशहरा पर्व पर रावण दहन के साथ दो दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया गया, जिसमें हज़ारों ग्रामीण पहुंचे। पूर्व ग्राम प्रधान चंदन कश्यप ने बताया कि रावण दहन से पहले उसके पुतले से एक रस्सी बांधी जाती है। मान्यता है कि रावण दहन के समय काटी गई इस रस्सी को घर या खेत में रखने से चूहे भाग जाते हैं।

कैथूलिया और जौरिया में रामलीला का मंचन

कैथूलिया गांव में भी सैकड़ों वर्षों से चली आ रही रामलीला का आयोजन किया गया। प्रधान विनोद सिंह ने बताया कि इस रामलीला की विशेषता यह है कि इसमें प्रमुख पात्रों का रोल गांव के मुस्लिम नवयुवकों द्वारा निभाया जाता है, जिसे देखने के लिए दूर-दराज से लोग एकत्रित होते हैं। वहीं, जौरिया ग्राम सभा में भी सैकड़ों वर्ष पुरानी रामलीला का मंचन हुआ, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधान चंद्रमोहन त्रिपाठी ने किया।

कस्बे में सुंदरकांड और भंडारा

कस्बे के बुढ़िया शिवाला पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। यहां सुंदर झांकियां सजाई गई और फिर रावण दहन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री बुढ़िया शिवालय परिवार और एडवोकेट सुमित शर्मा के सहयोग से किया गया। रावण दहन के बाद कन्या पूजन किया गया,

जिसके उपरान्त विशाल भंडारे की शुरुआत हुई जो देर रात तक चला। विजयदशमी के अवसर पर क्षेत्र के महिला, पुरुष, बच्चे और पूरे परिवार ने मंदिर में भगवान के दर्शन किए और भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पर्व का आनंद लिया।

महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां,सीतापुर। नगर के सेठ जय दयाल इंटर कॉलेज सभागार में महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर सशक्त कलमकार अर्शउद्दीन खान %रहबर प्रतापगढ़ी%, विशिष्ट अतिथि के रूप में आकाशवाणी उद्घोषक राहुल द्विवेदी %स्मित%, प्रधानाचार्य शकील अहमद अंसारी, बेबाक कवि संदीप मिश्र सरस, विख्यात चिकित्सक डॉ0 मेराज अहमद सिद्दीकी को हिंदी दैनिक समाचार पत्र (सिराज टाइम्स) द्वारा माल्यार्पण,प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में बच्चों ने भी सहभागिता की जिसमें मो0 अयान सलमानी, प्रांशू, कृष्णा शर्मा, गगनदीप सिंह, फैजू, हिमांशु को सिराज अहमद द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया। दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

वाणी वंदना कवि आनंद खत्री, सफल संचालन कार्यक्रम समन्वयक विख्यात साहित्यकार संदीप मिश्र 'सरस' द्वारा किया गया। इस दौरान अर्शउद्दीन खान 'रहबर प्रतापगढ़ी' ने उपस्थित भारी संख्या में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दो महान नेताओं की जयंती पर आज हम सभी एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने हमारे देश की स्वतंत्रता और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री दोनों ने अपने जीवन को देश की सेवा में समर्पित किया और हमें स्वतंत्रता, समानता, और न्याय के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। राहुल द्विवेदी स्मित ने कहा कि महात्मा गांधी ने हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने हमें बताया कि सच्चाई और न्याय के लिए लड़ने के लिए हमें हिंसा का सहारा नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमें अपने आत्मबल और दृढ़ संकल्प के साथ लड़ना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम संयोजक एवं हिंदी दैनिक सिराज टाइम्स के सम्पादक की विशाल कार्यक्रम हेतु भूरी-भूरी प्रशंसा की।

वृंदारक नाथ मिश्र ने कहा कि इस संगोष्ठी में, हमें इन दोनों महान नेताओं के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए और हमें उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए। हमें अपने देश की स्वतंत्रता और समृद्धि के लिए काम करना चाहिए और हमें इसके लिए सच्चाई, न्याय, और समानता के मूल्यों को अपनाना चाहिए।

अजीत आर्य ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने हमें सादगी और ईमानदारी के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हमें बताया कि एक सच्चे देशभक्त को सादगी और ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए और हमेशा देश के हितों को ध्यान में रखना चाहिए। गांधी जी ने हमें यह भी सिखाया कि हमें अपने देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ना चाहिए, लेकिन हमें इसके लिए दूसरों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए।

अध्यक्षता कर रहे शकील अहमद अंसारी ने कहा कि आइए, हम सभी महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लें और हमें अपने देश की सेवा में समर्पित करें। भव्य आयोजन के लिए सिराज टाइम्स के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में कार्यक्रम संयोजक सिराज अहमद ने सभी के प्रति हृदय तल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री दोनों ने देश की अखंडता और एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमें उनका अनुसरण करना चाहिए। इस मौके पर वहाजुद्दीन ग़ौरी सहित सैकड़ों साहित्यकार, कवि, लेखक, पत्रकार, महिलाएं, अधिवक्ता एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंम सेवक संघ के स्थापना दिवस एवं दशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर राष्ट्रीय स्वयम सेवक संघ के स्थापना दिवस एवं विजय दशमी के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्यों ने विधवत हवन पूजन किया तदुपरांत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवकों ने नगर में पथ संचलन निकाला गया जो सरस्वती शिशु मंदिर से प्रारम्भ होकर वापस विभिन्न मार्गो से होते हुए वापस सरस्वती शिशु मंदिर में समाप्त हुआ। इस मौके पर संघ के सह जिला प्रचारक विकल्प जी ने संघ की स्थापना के विषय में विस्तृत चर्चा करते करते हुए मर्यादा पुरषोत्तम श्री राम के आदर्शो का अनुसरण करने की बात कही उन्होंने कहा कि समाज मे व्याप्त छुआछूत को अभिशाप बताते हुए इसे राष्ट्र के निर्माण के लिए अहितकर बताया कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयंसेवक श्रवण भल्ला ने किया इस मौके पर जिला सह कार्यवाह धर्मेन्द्र रस्तोगी नगर प्रचारक ओम जी नगर संघ चालक राजेश सिंह मोहित जायसवाल चंदन रस्तोगी अंशुमान विवेक

अवस्थी व्यवस्था प्रमुख मुन्ना लाल वरिंदर सिंह हर्षदीप सिंह, मनीष खेतान, सुनील रस्तोगी, नीरज श्रीवास्तव, कौस्तुभ इसके अलावा तमाम स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

चोरी के आरोप में युवक को बांधकर जमकर पीटा, दाल चुराकर भाग रहा था ग्रामीणों ने पकड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सकरन थाना क्षेत्र के दुगाना गांव में गुरुवार सुबह चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने एक युवक को पेड़ से बांधकर पिटाई कर दी युवक दाल की बोरी चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा गया था पकड़े जाने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने उसे रस्सी से कसकर बांध दिया और हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने युवक की जमकर पिटाई भी कर दी घटना का वीडियो किसी ने मोबाइल से बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जिसके बाद पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया चोर की पहचान शोभित कुमार निवासी थाना शारदा नगर, लखीमपुर के रूप में हुई है वह गांव में दाल की बोरी चोरी कर भागने की कोशिश कर रहा था तभी ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया पकड़े जाने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया और भीड़ ने बिना पुलिस को सूचना दिए खुद ही कार्रवाई कर डाली वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। सकरन थाना पुलिस का कहना है कि युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है साथ ही जिन ग्रामीणों ने कानून अपने हाथ में लेकर उसे पेड़ से बांधा और पीटा, उनकी पहचान की जा रही है पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। गांव में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं कुछ लोग इसे चोर को सबक सिखाने का तरीका बता

रहे हैं तो कुछ का कहना है कि ग्रामीणों को पुलिस को सूचना देनी चाहिए थी फिलहाल वीडियो वायरल होने से मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और पुलिस आगे की जांच में जुटी है!!

युवक की मौत के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार रोका मवेशी चराने के विवाद में घायल हुआ था युवक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के नैमिष थाना क्षेत्र के बिनोरा गांव में मवेशी चराने को लेकर हुए विवाद ने बड़ा रूप ले लिया है इस विवाद में गंभीर रूप से घायल हुए युवक मिथलेश पुत्र स्व. विक्रम की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। बीते शुक्रवार को उसे दबंगों ने मारपीट कर लहूलुहान कर दिया था गंभीर चोट लगने के बाद परिजन उसे लखनऊ लेकर गए थे जहां इलाज के दौरान उसकी सांसें थम गई बुधवार देर रात जैसे ही शव गांव पहुंचा पूरे इलाके में तनाव फैल गया परिजनों का आरोप है कि पुलिस अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। गुस्साए परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और धाराएं बढ़ाने की मांग करते हुए शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया उनका कहना है कि जब तक सभी नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि स्थिति बेकाबू न हो सके वहीं अधिकारियों की टीम लगातार मृतक के परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास कर रही है प्रशासन का कहना है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी गांव के लोगों में घटना को लेकर भारी आक्रोश है ग्रामीणों का कहना है कि खुलेआम दबंगई करने वाले आरोपियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है जिससे कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इधर मृतक के घर पर कोहराम मचा है परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा

हाल है परिजनों ने साफ कहा है कि न्याय मिलने तक वे पीछे नहीं हटेंगे इस बीच हालात को काबू में रखने के लिए पुलिस गांव में लगातार गश्त कर रही है और अधिकारियों की निगरानी में शांति व्यवस्था बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं!!

संक्षिप्त खबरें

विश्व कौशल प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका

मथुरा। जिला समन्वयक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, मथुरा ने अवगत कराया कि कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुसार विश्व कौशल प्रतियोगिता 2026 के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में भारत कौशल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया जाना है। इसमें 63 कौशलों में पात्रता मानदण्ड के अनुसार भारत सरकार के स्किल इण्डिया डिजीटल हब पोर्टल पर प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण किये जाने की व्यवस्था प्रदान की गयी है। इसके लिए न्यूनतम आयु 16 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिये जबकि अधिकतम आयु के लिए एक जनवरी 2004 से पहले जन्म न हुआ हो। पंजीकरण की अन्तिम तिथि 15 अक्टूबर तक ही जारी रहेगी।

छाता में ट्रक से 300 लीटर डीजल चोरी

पीड़ित ड्राइवर की पुलिस ने नहीं सुनी, धमका कर भगया

मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक फिलिंग स्टेशन के पास खड़े एक ट्रक से करीब 300 लीटर डीजल चोरी हो गया। ट्रक चालक के मुताबिक यह घटना तड़के करीब तीन बजे हुई। पीड़ित ड्राइवर अंकित पुत्र मानसिंह, निवासी मोहल्ला चौहट्टा, शमशाबाद फर्रुखाबाद ने पुलिस को बताया कि वह बेंगलुरु रोडवेज कंपनी का ट्रक संख्या एनएल 01एसी 1721 चलाता है। ट्रक में सामान लादकर वह हैदराबाद जा रहा था। रास्ते में उसने ट्रक को भारत पेट्रोल पंप शुगर मिल से आगे सड़क किनारे खड़ा कर आराम करने के लिए सो गया। सुबह जब वह ट्रक लेकर आगे बढ़ने लगा तो उसने देखा कि मीटर में डीजल कम दिखा रहा है। टंकी जांचने पर पता चला कि टंकी का ढक्कन टूटा हुआ है और डीजल गायब है। पीड़ित ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी और शिकायत लेकर छाता कोतवाली पहुंचा। आरोप है कि पुलिस ने उसकी शिकायत सुनने के बजाय उसे धमका कर थाने से भगा दिया। क्षेत्राधिकारी भूषण वर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित ड्राइवर सुबह उठा तो देखा टंकी का ढक्कन टूटा था, सारा डीजल गायब था। पुलिस को बताया तो उन्होंने मेरी ही गलती बताई और भगा दिया।

बलिया में 56 स्थानों पर रावण दहन-रामलीला मैदान में 50 फीट ऊंचे पुतले का दहन, उमड़ी भीड़

बलिया विजयदशमी के अवसर पर बलिया जिले में कुल 56 स्थानों पर रावण के पुतले का दहन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले को जलाया गया, जिसे देखने के लिए मध्य रात्रि में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान जै श्रीराम के उद्घोष से भृगु नगरी राममयी हो गयी। शहर के कदम चौराहे पर भी रामलीला के दौरान रावण पुलता दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद के विभिन्न रामलीला स्थलों पर न केवल रावण वध का सजीव मंचन हुआ, बल्कि पुतलों का दहन भी किया गया। जिसे देखने के लिए लोगों का हुकुम उमड़ पड़ा। रावण दहन से पहले युद्ध का मंचन किया गया। रावण दहन से पहले युद्ध का मंचन किया गया। नगरा में रामलीला मंचन के साथ रावण के पुतले का दहन किया गया। रेवती में मूर्ति नंबर एक के तत्वावधान में पारंपरिक रूप से पुतला दहन हुआ। इसी क्रम में रसड़ा, सिकंदरपुर और बेल्थरा रोड सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई जगहों पर रावण के पुतले जलाए गए।

डीएम की अध्यक्षता में विधायक खेल स्पर्धा समिति की बैठक सम्पन्न

बलरामपुर युवा कल्याण एवं प्रा0 वि0 द0 विभाग द्वारा विधायक खेल स्पर्धा-2025 के आयोजन के संबंध में गठित समिति की बैठक जिलाधिकारी पवन अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। बैठक में डीएम ने निर्देशित किया कि खेल प्रतियोगिताओं को सुचारु व भव्य रूप से सम्पन्न कराने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताएं विधानसभावार आयोजित की जाएं तथा इसके लिए शीघ्र कैलेंडर जारी किया जाए। डीएम ने खेल मैदानों की साफ-सफाई व आवश्यक तैयारियों के लिए सम्बन्धित खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही YUVA SATHI पोर्टल पर खिलाड़ियों के पंजीकरण की व्यवस्था हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत सहित अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारगण उपस्थित रहे।

वीडियो कॉल पर वर्दी का धौंस जमाकर बलिया के युवक से 20 लाख की साइबर फ्राड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- साइबर ठगी का एक नया तरीका सामने आया है, जिसका शिकार बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के काशीपुर निवासी अभिषेक कुमार हुए है। साइबर ठग गिरोह ने पुराने सिक्के के नाम पर अभिषेक से लगभग बीस लाख रुपये की ठगी कर ली। साइबर ठगी करने वालों की जाल में फंसने के बाद अभिषेक के यहां अलग अलग नम्बरों से फोन आने लगे। पुलिस की वर्दी साइबर ठगों ने वीडियो काल से धमकी दी और लगभग बीस लाख रुपए की ठगी कर ली। ठगी के शिकार पीड़ित ने थाने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर न्यायसंगत कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने अलग अलग मोबाइल नम्बरों के आधार पर एक अक्टूबर को पांच अज्ञात के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (ब्हस) 2003 की धारा 351 (4) व सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा 66डी के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

अभिषेक कुमार ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि 16 जुलाई को एक अज्ञात नम्बर से काल आया और मुझे एक पुराना सिक्का बेचने की बात हुई। मेरे से यूपीआई के माध्यम से 650 रूपया लिया गया। इसके बाद अन्य अज्ञात नम्बरों से काल आने लगा और कॉलर डराने धमकाने लगे। वे लोग पुलिस वर्दी में भी वीडियो कॉल करके तरह-तरह से डराते थे। मेरे माता-पिता एवं अन्य परिवारीजनों को नुकसान पहुंचाने की बात करते थे। इससे मैं बुरी तरह डर गया था, जिसकी वजह से मैंने यह बात किसी से नहीं बताई। उन लोगों ने अलग-अलग नम्बरों से कॉल करके मेरे से लगभग बीस लाख रुपए यूपीआई के माध्यम से 16 जुलाई से 20 अगस्त के मध्य ले लिए हैं। पुलिस ने अलग अलग मोबाइल नम्बरों से किये गये फोन नम्बरों के आधार पर पांच अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

दीपावली: अंधेरी गलियों के एक बच्चे का जीवन रोशन करने का लें संकल्प

● एक बच्चे को पढ़ाना, पूरे समाज को उजियारा देना है: डा. हिना

सुप्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हिना गुप्ता ने जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल के बच्चे की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाई

जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल नि:शुल्क शिक्षा केंद्र के गोद लिए बच्चे के साथ बाल रोग विशेषज्ञ एवं गुप्ता चाइल्ड केयर एंड हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. हिना गुप्ता,स्कूल के संस्थापक सतीश चंद्र शर्मा व अन्य।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। आप सक्षम हैं तो दीपावली पर एक अभावग्रस्त बच्चे का जीवन रोशन करने का संकल्प लें। किसी के जीवन से हमेशा के लिए अंधेरा छंट सकता है। दीपावली पर अपने घर को ही नहीं समाज को दृढ संकल्प के रोशनी से जगमक करें। जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल के संस्थापक सतीश शर्मा की इस मुहिम को अब समर्थन मिल रहा है। वह कहते हैं गरीबी और अभावों में पलते झुग्गी झोपड़ियों के बच्चों की जिंदगी में भी रोशनी की किरण जग सकती है, अगर समाज संवेदनशील होकर उनका हाथ थाम ले।

इसका प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल नि:शुल्क शिक्षा केंद्र से सुप्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हिना गुप्ता ने एक बच्चे को उच्च शिक्षा तक गोद लेकर उसकी पूरी जिम्मेदारी उठाने का संकल्प किया है। डॉ. हिना गुप्ता एक संवेदनशील चिकित्सक हैं। उन्होंने कहा कि हर बच्चा सपने देखने और उन्हें पूरा करने का हकदार है। जब हम किसी वंचित बच्चे को शिक्षा का अवसर देते हैं, तो हम सिर्फ उसका नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बदलते हैं।

समाज का हर जागरूक नागरिक यदि सिर्फ एक बच्चे को भी शिक्षा से जोड़ दे, तो भारत से अशिक्षा और गरीबी की जंजीरें टूट जाएंगी। जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल नि:शुल्क शिक्षा से पुनीत अभियान से जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है मैं इस अभियान में अन्य लोगों को भी जोड़ने का सतत प्रयास करूंगी। संस्था के संस्थापक सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि डॉ. हिना गुप्ता ने यह साबित किया है कि समाज के सबसे वंचित वर्ग तक पहुंचने का यह बेहतर प्रयास है। एक बच्चे को शिक्षा देना केवल दान नहीं, बल्कि सबसे बड़ा सामाजिक निवेश है। डॉ. हिना गुप्ता का यह प्रयास निस्संदेह समाज के लिए प्रेरणा का दीप बनेगा। बच्चे की आंखों में नई चमक और मां के चेहरे पर गर्व यह संदेश दे रहे थे कि जब संवेदनशील हाथ थाम लेते हैं, तो जीवन की दिशा बदल जाती है।

यह पहल केवल एक बच्चे के भविष्य की नहीं, बल्कि पूरे समाज के उज्ज्वल कल की शुरुआत है। इस अवसर पर जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल नि:शुल्क शिक्षा केंद्र, लाजपत नगर की कॉर्डिनेटर कुमारी तनु चौहान तथा बच्चे की माँ भी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

बलिया- महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बलिया के सवरुबाधं ग्राम सभा में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बलिया के सवरुबाधं ग्राम सभा में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस पहल में गाँव के निवासियों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिला पंचायत सदस्य के प्रतिनिधि बरमेश्वर प्रधान के तत्वाधान में आयोजित

इस अभियान के तहत, गाँव के मुख्य मार्गों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण स्थलों की साफ-सफाई की गई। इनमें मस्जिद ईदगाह, मां काली मंदिर, संत रविदास जी की प्रतिमा स्थल और हनुमान मंदिर परिसर शामिल थे।

ग्रामवासियों ने बताया कि यह अभियान महात्मा गांधी के इस विचार से प्रेरित था कि ÷जब गांव स्वच्छ होगा तभी शहर स्वच्छ होगा, और जब गांव का विकास होगा तभी राष्ट्र उन्नति कर सकेगा।÷ इसी सोच को साकार करने के लिए यह सामुदायिक प्रयास किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गोनू पांडे, परमात्मानंद पांडे, राजेंद्र पांडे, छोटू यादव (क्षेत्र पंचायत सदस्य), शिवजी ठाकुर (क्षेत्र पंचायत सदस्य), उत्तम चंद्र वर्मा, अंगद वर्मा (पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य), और मदन वर्मा सहित कई प्रमुख लोगों ने सहयोग दिया। उक्त अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि बरमेश्वर प्रधान ने कहा कि यह अभियान न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का एक प्रयास है, बल्कि यह गांधीजी और शास्त्री जी के आदर्शों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का भी एक तरीका है यह कार्य आज के समय में हर नौजवान और सम्मानित लोगों को करना चाहिए।

बांसडीह में टेलीग्राम ग्रुप से 18 लाख की ठगी-पैसा दोगुना करने का लालच दिया, युवक से धोखाधड़ी, FIR दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया के बांसडीह में ऑनलाइन ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। एक टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से हालपुर गांव निवासी एक युवक से 18 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है। युवक को पैसा दोगुना करने का लालच दिया गया था। इस संबंध में कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के हालपुर गांव निवासी अभिजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि वह ÷यूएनआई क्लो फाइनेंस÷ नामक एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े थे। इस ग्रुप में एक लिंक साझा किया गया, जिसमें निवेश की गई राशि को दोगुना करने का प्रलोभन दिया गया था।

18 लाख रुपए ट्रांसफर

अभिजीत ने इस लालच में आकर लिंक के माध्यम से कुल 18 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। कुछ दिनों बाद यह टेलीग्राम ग्रुप अचानक बंद हो गया। अभिजीत को संदेह हुआ और जांच करने पर उन्हें पता चला कि यह पूरा ग्रुप फर्जी था। जालसाजों ने अपनी पहचान और पता छिपाकर उनके साथ यह बड़ी धोखाधड़ी की थी।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 318 (4) और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा 66-डी के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली पुलिस साइबर सेल की सहायता से लिंक और ठगों के ठिकाने का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

आम जनता से अपील की

प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार उपाध्याय ने

बताया कि पैसा दोगुना करने का झांसा देकर की जाने वाली ठगी साइबर अपराधियों की एक नई चाल बन चुकी है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और अज्ञात या अविश्वसनीय ग्रुप में निवेश करने से बचें।

बाइक बचाने के चक्कर में टैंपो पलटा,तीन घायल

मथुरा। थाना जमुनापार अंतर्गत यमुना पुल के समीप गुरुवार देर रात सवारी लेकर आ रहा टैंपो बाइक सवार को बचाने के प्रयास में रोड किनारे लगे डिवाइडर से टकरा गया। इसके चलते चालक समेत तीन सवारी घायल हो गयीं। इन्हें उपचार को भर्ती कराया। गुरुवार को जमुनापार क्षेत्र के लोग सदर बाजार में दशहरा मेला देखने गये थे। बताते हैं कि रात मेला देखने के बाद टैंपो से बैठ कर जमुनापार लौट रहे थे। टैंपो चालक ने शहजादपुर सोनई टप्पा निवासी महेश वह दशहरा मेला से सवारी लेकर रात करीब दस बजे जमुना पार की ओर जा रहा था। तभी यमुना पुल के समीप बाइक सवारों को बचाने के प्रयास में टैंपो अनियंत्रित होकर यमुना पुल के समीप डिवाइडर से टकराकर पलट गया। इसके चलते चालक के अलावा दो अन्य सवारी घायल हो गयीं। बताते हैं कि राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों के सहयोग से टैंपो से घायलों को निकलवाकर उपचार को भिजवाया।

गांव की आपसी टशन में गई भाजपा नेता के भतीजे की जान

● करोडों की बिकी थी जमीन, पिता बोले विदेशी कार में चलता था बेटा तो जलते थे लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। छाता थाना क्षेत्र में दशहरा मेला देख कर घर लौट रहे भाजपा कार्यकर्ता के भतीजे की गुरुवार रात साढ़े 10 बजे गोवर्धन चौराहे फ्लाई ओवर के नीचे गोली मारकर हत्या कर हत्या कर दी गई थी। उनकी मौके पर हे मृत्यु हो गई थी। घटना से क्षेत्र में हडकंप मचा है। भाजपा कार्यकर्ता सुघड सिंह निवासी आजनौक के भतीजे अजीत सिंह गुरुवार शाम को दोस्तो के साथ दशहरा मेला देखने गए थे। रात साढ़े 10 बजे वह वापस घर लौट रहे थे। गोवर्धन चौराहे फ्लाई ओवर के नीचे उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। अजीत के पिता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने कुछ समय पहले करोड़ों रुपये की संपत्ति बेची थी। इसके बाद अजीत ने एक फ्रांस की गाड़ी खरीदी थी। इसी बात को लेकर गांव का एक व्यक्ति उससे जलता था। दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था, लेकिन तब मामला राजीनामे से सुलझ गया था। जलन उस व्यक्ति के बरकरार बनी रही उसको अजीत बहुत बुरा लगता था गांव का वह व्यक्ति अक्सर अजीत से कहता था कि तू गाड़ी मेरे सामने क्यों निकालता है। इसी रंजिश के चलते उसने अजीत को पुल के नीचे बुलाया और उसे गोली मार दी। अजीत के पिता ने चार लोगों के खिलाफ छाता थाने में तेहरीर दे दी है जिनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मथुरा ने बताया कि पुलिस ने पूरे मामले पर तुरंत कार्रवाई की है। अब तक करीब 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। हत्या का मुख्य आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होगा। पुलिस ने कहा है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री भीमसेन सैनी स्मृति सेवा समिति किया बापू को नमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्री भीमसेन सैनी स्मृति सेवा समिति के कार्यक्रम में मौजूद लोग।

मथुरा। श्री भीमसेन सैनी स्मृति सेवा समिति पंजीकृत द्वारा बाढ़ पुरा स्थित समिति कार्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को याद कर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर महात्मा गांधी जी के विचारों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता पर जोर दिया गया। गांधी जी के बारे में कहा गया कि उन्होंने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर अन्याय के खिलाफ आंदोलन करने का रास्ता दिखाया।आज भी देश में गांधीवादी तरीके से लोग अपनी मांगों के लिए आंदोलन करके उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की सादगी एवं बहादुरी को विस्तार से रेखांकित किया गया। समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार सैनी की अध्यक्षता में एवं रवि प्रकाश भारद्वाज महामंत्री के संचालन में प्रारंभ हुए कार्यक्रम में संतोष चंद सक्सेना , मुरारी लाल बघेल ,आदेश शर्मा एवं आशु सैनी ने गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने विचार व्यक्त किये। तेजस आयांश शानवी उपस्थित थे।

आज निकलेगी कृष्ण बलराम शोभायात्रा

● 5200 वर्ष बाद भगवान श्री कृष्ण बलराम शिक्षा यात्रा मथुरा से जाएगी उज्जैन

शामिल होंगे यूपी, राजस्थान और एमपी के तीर्थ पुरोहित,धर्म यात्रा महासंघ और विहिप के पदाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ के द्वारा चार अक्टूबर को शाम तीन बजे नगर के श्रीजी बाबा आश्रम से श्रीकृष्ण बलराम की शोभायात्रा धूम धाम से निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा श्री जी बाबा आश्रम से डीगगेट, मंडी रामदास , चौक बाजार , स्वामीघाट , द्वारकाधीश मंदिर विश्राम घाट होते हुए राजा घाट पर विश्राम लेंगी। इस संदर्भ में शोभायात्रा के मुख्य संयोजक ब्रज भक्त आचार्य रमाकांत गोस्वामी ने बताया कि 5200 वर्ष में पहली बार हमारी भगवान श्री कृष्णा और बलराम जी उनकी जन्म भूमि मथुरापुरी से विद्या अध्ययन के लिए महर्षि संदीपन मुनि के आश्रम उज्जैन जा रहे हैं। उनके स्वागत और दर्शन के लिए सभी सनातनी प्रेमी, धर्मस्वावलंबी, भगवान के भक्तों से आवाहन करते हैं कि इस अद्भुत शोभायात्रा में ठाकुरजी के दर्शन का लाभ अवश्य लें। यात्रा में तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रयाग नाथ चतुर्वेदी एवं राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र चतुर्वेदी उज्जैन भी शामिल होंगे। शोभायात्रा सहसंयोजक आचार्य लालजीभाई शास्त्री, पं. अमित भारद्वाज, पं. मुरारी लाल उपाध्याय, आचार्य पंकज शास्त्री, पं. यज्ञदत्त चतुर्वेदी शास्त्री होंगे।

बलिया कलक्ट्रेट में अधिवक्ताओं का प्रदर्शनन्एसडीएम सदर, बैरिया और तहसीलदार को हटाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया कलक्ट्रेट में शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। कलक्ट्रेट बार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मदन वर्मा ने आरोप लगाया कि जिलाधिकारी द्वारा उनकी पूर्व से चली आ रही मांगों को नजरंदाज किया जा रहा है। अधिवक्ताओं ने एसडीएम बैरिया, एसडीएम सदर और तहसीलदार सदर को तत्काल हटाने की मांग की। उनका कहना है कि इन अधिकारियों को हटाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। जिलाध्यक्ष मदन वर्मा ने चकबंदी के दफा 27(3) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सीआरओ के आने के बाद से यह दफा नहीं देखी जा रही है, जिसे तत्काल लागू किया जाना चाहिए।

एसोसिएशन के महामंत्री बालेन्दु कुमार ओझा ने सदर तहसीलदार कोर्ट में अधिवक्ताओं के लिए बैठने की व्यवस्था पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कोर्ट में चाय की दुकान वाली बेंच रखी गई है, जो अधिवक्ताओं का अपमान है। स्पष्ट किया कि उनकी सभी मांगें वादकारियों और अधिवक्ताओं के हित में हैं। उन्होंने डीएम और सीआरओ पर मनमाने तरीके से कोर्ट चलाने का आरोप लगाया।

ह्यअधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई, तो वे जिलाधिकारी कार्यालय के पोर्टिको में दरी बिछाकर धरने पर बैठ जाएंगे। इस अवसर पर एडवोकेट राजेश पाण्डेय, मुनीन्द्र नाथ राय, ओम प्रकाश, रामयश, अखिलेश कुमार, सुनील चौरसिया और विनोद सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जनपद में मनचलों पर कार्यवाही करते हुए चार पहिया वाहनों पर लगी काली फिल्म को हटवाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत जनपद के सभी सर्किलों में महिलाओं एवं बालिकाओं की सहायता तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चेकिंग अभियान एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में आयोजित इस अभियान में जनपद के सभी थाना प्रभारियों द्वारा एण्टी रोमियो टीम, महिला शक्ति केंद्र के अधिकारी एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान मोडिफाइड साइलेंसर, चार पहिया वाहनों पर काली फिल्म, बिना हेलमेट वाहन चालक तथा तीन सवारी चलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए एम.वी. एक्ट के अंतर्गत चालान एवं समन काटे गए।

मिशन शक्ति टीम द्वारा क्षेत्र में जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति 5.0 एवं अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें जागरूक किया गया।